देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक – 90 । नर्मदापुरम, शुक्रवार 27 जून 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

कालाबाजारी और प्रशासन की निष्क्रियता से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी धान की फसल — पृष्ठ 2
प्राथमिक छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का महाराष्ट्र सरकार का निर्णय अनुचित — पृष्ठ 4
भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया — पृष्ठ 5
भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत : आरबीआई — पृष्ठ 8

सार-समाचार

साइबर अपराधियों पर सीबीआई का शिकंजा, 5 राज्यों में छापेमारी, 9 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर अपराधों और डिजिटल अरेस्ट स्कैम्स पर शिकंजा कसते हुए एक बड़ी कार्रवाई की। ऑपरेशन चक्र–5 के तहत सीबीआई ने पांच राज्यों (राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश) में 42 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई उन म्यूल बैंक खातों के खिलाफ की गई, जो संगठित साइबर अपराधियों द्वारा यूपीआई धोखाधड़ी, फर्जी विज्ञापनों, निवेश धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट स्कैम्स में प्रयोग किए जा रहे थे। सीबीआई की शुरुआती जांच में यह खुलासा हुआ कि देशभर की 700 से अधिक बैंक शाखाओं में लगभग 8.5 लाख म्यूल अकाउंट्स खोले गए थे।

बद्रीनाथ जा रहा टेंपो ट्रैवलर नदी में गिरा, 1 की मौत, कई लापता

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में दर्दनाक हादसा हुआ है। बद्रीनाथ हाईवे पर गुरुवार सुबह एक टेंपो ट्रैवलर अलकनंदा नदी में गिर गया। इस घटना में 11 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। 7 लोगों को रेस्क्यू के जरिए निकाला जा चुका है, जिसमें से एक की मौत होने की खबर है। जानकारी के मुताबिक, टेंपो ट्रैवलर ऋषिकेश से बद्रीनाथ की ओर जा रहा था। हादसे के वक्त टेंपो ट्रैवलर में करीब 18 लोग सवार थे। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया है।

जल जीवन मिशन से 15 करोड़ घरों में पहुंचा नल से जल

नई दिल्ली, एजेंसी। जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने गुरुवार को कहा कि जल जीवन मिशन के तहत अब तक 15 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है और शेष चार करोड़ घरों में इस योजना का लाभ पहुंचाने के लिए मिशन के तहत तेजी से काम चल रहा है और निर्धारित समय तक इसे पूरा कर लिया जाएगा। शेष चार करोड घरों तक यह सुविधा पहुंचाने का काम चल रहा है और वर्ष 2028 तक इस काम को पूरा कर लिया जाएगा।

ऑपरेशन सिंधु : ईरान से 272 भारतीय, 3 नेपाली दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से 272 भारतीयों और तीन नेपाली नागरिकों को लेकर एक और विमान कल मध्य रात्रि यहां पहुंचा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने विशेष अभियान के बारे में जानकारी देते हुए एक्स पर पोस्ट किया कि इस उड़ान के साथ अब तक पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान से 3,426 भारतीय नागरिकों को वापस लाया जा चुका है। श्री जायसवाल ने बताया कि ऑपरेशन सिंधु के तहत 25 एवं 26 जून को मध्य रात्रि 12.01 बजे मशहद से नई दिल्ली पहुंची एक विशेष उड़ान से वे यहां पहुंचे।

उमेश मकवाणा 'आप' से 5 साल के लिए निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के गुजरात के बोटाद से विधायक उमेश मकवाणा पर पार्टी ने बड़ा एक्शन लिया है। उमेश मकवाणा को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण पांच साल के लिए %आप% से सस्पेंड कर दिया गया है। इसकी जानकारी गुजरात के पार्टी अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने सोशल मीडिया पर दी। गुजरात के पार्टी अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'उमेश मकवाणा को पार्टी विरोधी एवं गुजरात विरोधी गतिविधियों के लिए पांच साल के लिए पार्टी से सस्पेंड किया जाता है।'

भारतीय अंतरराष्ट्रीय परिधान मेला 1 जुलाई से

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया के सबसे बड़े परिधान मेले – भारतीय अंतरराष्ट्रीय परिधान मेले का 73 वां संस्करण एक जुलाई से राष्ट्रीय राजधानी में आरंभ होगा जिसमें 79 देशों में प्रतिनिधि शामिल होंगे। मेला आयोजकों ने गुरुवार को यहां बताया कि ये मेला तीन जुलाई तक चलेगा। मेले का उद्‌घाटन कपडा एवं विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गरीटा करेंगे। यह एशिया का सबसे बड़ा परिधान मेला है जो छोटे कारोबारी और खरीदार शामिल होते हैं। मेले में फैशन शो के अलावा लगभग 21,200 वर्ग मीटर में एक प्रदर्शनी का आयोजन भी होगा।

चीन के किंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक हुई

भारत ने साझा बयान पर नहीं किए हस्ताक्षर

- संयुक्त वक्तव्य में पहलगाम का जिक्र नहीं
- बलूचिस्तान में हुई आतंकी घटना का जिक्र था
- पाकिस्तानी रक्षा मंत्री से नहीं मिले राजनाथ सिंह

शंघाई, एजेंसी। चीन के किंगदाओ में गुरुवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक हुई। इसमें भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ, दोनों शामिल हुए थे। हालांकि, राजनाथ सिंह ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री से मुलाकात नहीं की।

उन्होंने एससीओ के साझा बयान पर साइन करने से भी इनकार कर दिया। क्योंकि उसमें जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को शामिल नहीं किया गया था, जबकि पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हुई आतंकी घटना का जिक्र था। भारत ने इससे नाराजगी जाहिर की। राजनाथ सिंह ने बैठक में कहा, 'कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को अपनी नीति मानते हैं। वे आतंकवादियों को पनाह देते हैं। फिर इसे इनकार करते हैं। ऐसे डबल स्टैंडर्ड के लिए कोई ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आतंकवाद सबसे बड़ी चुनौती

राजनाथ ने कहा, मेरा मानना है कि सबसे बड़ी चुनौतियां शांति, सुरक्षा और विश्वास की कमी से संबंधित हैं। इन समस्याओं की असल वजह कट्टरपंथ, उग्रवाद और आतंकवाद में बढ़ोत्तरी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता है और हमें अपनी सामूहिक सुरक्षा और संरक्षा के लिए इन बुराइयों के खिलाफ अपनी लड़ाई में एकजुट होना चाहिए। राजनाथ ने कहा भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति आज हमारे एक्शन में भी नजर आती है। इसमें आतंकवाद के खिलाफ स्वयं की रक्षा करने का हमारा अधिकार भी शामिल है।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र

महाराष्ट्र, हरियाणा की मतदाता सूची मांगी

- आयोग ने राहुल को चर्चा के लिए पत्र लिखा था
- मतदान के दिन की वीडियो रिकॉर्डिंग की भी मांग

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव के मतदाताओं की सूची, मतदान के दिन की वीडियो रिकॉर्डिंग तथा मशीन रीडेबल कॉपी उपलब्ध कराने की मांग की है।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग सचिवालय के सचिव अश्विनी कुमार मोहल को 25 जून को लिखे दो पेज के पत्र में कहा है कि महाराष्ट्र तथा हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जिन सवालों को उठाया है उन्हें लेकर आयोग ने 12 जून को जो जवाब दिया है ,उसके मद्देनजर पार्टी मांग करती है कि उसे मतदाता सूची और मतदान के दिन के वीडियो फुटेज एक सप्ताह में उपलब्ध कराएं जाएं। दरअसल, 12 जून को आयोग ने राहुल को पत्र लिखा था। इसमें राहुल को विधानसभा चुनाव में धांधली के उनके आरोपों पर चर्चा के लिए बुलाया गया था। इसी के जवाब में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हास्य कवि सुरेंद्र दुबे का निधन

रायपुर, देशबन्धु। छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखने वाले और जाने–माने हास्य कवि पद्म श्री सुरेंद्र दुबे का गुरुवार को हार्ट अटैक से निधन हो गया। रायपुर के एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट (एसीआई) में उनका इलाज चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। परिवार के करीबी सूत्रों ने उनके निधन की पुष्टि की है। 72 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। केंद्र सरकार ने उनके उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2010 में 'पद्म श्री' सम्मान से नवाजा था। वह एक लेखक और विचारक के रूप में भी अपनी पहचान रखते थे। उनके निधन की खबर से पूरे साहित्य और सांस्कृतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। सोशल मीडिया पर भी कवियों, साहित्यकारों, राजनेताओं और आम नागरिकों ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

सुरेंद्र दुबे के निधन पर कवि कुमार विश्वास ने दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'छत्तीसगढ़ी भाषा व संस्कृति के वैश्विक राजदूत, मुझे सदैव अनुजवत स्नेह देने वाले, बेहद जिंदादिल इंसान, कविश्रेष्ठ पद्म श्री डॉ. सुरेंद्र दुबे जी का निधन सम्पूर्ण साहित्य–जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। मेरे हृदय के रायपुर का एक हिस्सा, आपकी अनुपस्थिति को सदैव अनुभव करेगा भैया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मशहूर हास्य कवि पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे के निधन पर गहरा शोक जताया। उन्होंने कहा कि सुरेंद्र दुबे ने छत्तीसगढ़ी भाषा को वैश्विक पहचान दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई। जीवनपर्यंत उन्होंने समाज को हंसी का उजास दिया, लेकिन आज उनका जाना हम सभी को गहरे शोक में डुबो गया है। छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने हास्य कवि सुरेंद्र दुबे के निधन पर दुख जताते हुए एक्स पर लिखा, सारे विश्व में छत्तीसगढ़ का परचम लहराने वाले हमारे प्रिय कवि पद्मश्री सुरेंद्र दुबे के आकस्मिक देहांत के समाचार से मन व्यथित और स्तब्ध है।

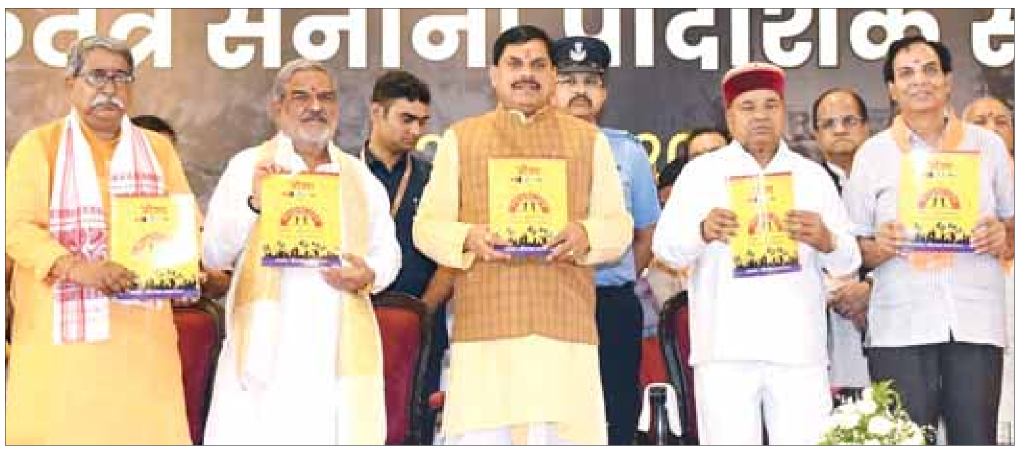

प्रादेशिक सम्मेलन में जुटे सेनानी, मुख्यमंत्री ने की कई घोषणाएं

70 साल से अधिक के लोकतंत्र सेनानियों को मिलेगा निःशुल्क इलाज

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकतंत्र भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली की आत्मा और पहचान है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र भारतीय जनमानस में पुराकाल से रचा–बसा है और इसकी जड़ें हमारी परंपराओं में गहराई तक फैली हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास में लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

एम्बुलेंस सुविधा भी दी जाएगी, मुख्यमंत्री निवास में हुआ सेनानियों का सम्मान

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों के हित में घोषणा करते हुए कहा कि अब 70 साल से अधिक आयु के सभी लोकतंत्र सेनानियों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निःशुल्क इलाज और आवश्यकता पड़ने पर पीएम एयर एम्बुलेंस की सुविधा भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र शासन को जवाबदेह बनाता है, नागरिकों को अधिकार देता है और प्रत्येक व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है। लोकतांत्रिक प्रणाली ही हमारी विविधता में एकता को बनाए रखने का आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रभारी मंत्री अपने–अपने प्रभार के जिलों में सभी लोकतंत्र सेनानियों को ताम्रपत्र देकर सम्मानित करेंगे। लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी ने भी संबोधित किया

इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर वंदे मातरम गायन एवं लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया गया। लोकतंत्र सेनानी संघ ने सम्मान के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार माना। इस अवसर पर देश में आपातकाल लागू करने से जुड़ी केन्द्र सरकार द्वारा निर्मित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। सम्मेलन में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल, पिछड़ा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

लोकतंत्र सेनानियों ने कड़ी तपस्या की : गहलोत

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। इसे और मजबूत करने के लिए लोकतंत्र के सेनानियों ने कड़ी तपस्या की है। आपातकाल के दौरान 46 अध्यादेश जारी किए गए। आपातकाल के दौर में संवैधानिक आजादी खत्म करते हुए लोगों के बोलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। वर्तमान में देश के 12 से अधिक राज्यों में लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान समारोहपूर्वक किया जा रहा है लेकिन मध्यप्रदेश की सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों को सबसे अधिक सुविधाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था आज दुनिया में ऊंचे स्थान पर पहुंच चुकी है। आजादी की शताब्दी वर्षगांठ 2047 पर मनाई जाएगी, तब तक हम दुनिया में सिरमौर होंगे। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश अध्यख तपन भौमिक का आभार जताया।

गडकरी ने खबर का किया खंडन, कहा-

दोपहिया वाहनों पर नहीं लगेगा टोल टैक्स

नई दिल्ली, देशबन्धु। राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोपहिया वाहनों को टोल टैक्स नहीं देना होगा। यह बात आज केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कही। दरअसल कुछ मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि 15 जुलाई से राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले दोपहिया वाहनों को भी टोल टैक्स का भुगतान करना होगा। जिसके बाद श्री गड़करी ने इन खबरों का खण्डन करते हुए स्पष्ट किया । उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग का इस्तेमाल करने वाले दोपहिया वाहनों को टोल टैक्स नहीं देना होगा। श्री गडकरी ने कहा कि ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है। दो–पहिया वाहन के टोल पर पूरी तरह से छूट जारी रहेगी। दोपहिया वाहनों के मालिक से उसी समय रोड टैक्स वसूल लिया जाता है। यही कारण है कि दोपहिया वाहनों से नेशनल हाइवेज पर टोल प्लाजा नहीं वसूला जाता है।

गडकरी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ' कुछ मीडिया घरानों द्वारा दोपहिया वाहनों पर टोल टैक्स लगाए जाने की भ्रामक खबरें फैलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई निर्णय प्रस्तावित नहीं हैं, दो–पहिया वाहन के टोल पर पूरी तरह से छूट जारी रहेगी। बिना सच्चाई जाने भ्रामक खबरें फैलाकर सनसनी निर्माण करना स्वस्थ पत्रकारिता के लक्षण नहीं है। मैं इसकी निंदा करता हूं।'

शिबू सोरेन की हालत स्थिर, राष्ट्रपति मिलीं

नई दिल्ली, देशबन्धु। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को नई दिल्ली में सर गंगा राम हॉस्पिटल पहुंचकर इलाजरत झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक संरक्षक और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने शिबू सोरेन के बड़े पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और परिवार के अन्य सदस्यों से भी मुलाकात की और उनके इलाज के संबंध में बातचीत की। राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स हैंडल पर इसकी जानकारी दी गई है। राष्ट्रपति के साथ अस्पताल में हेमंत सोरेन से बातचीत की तस्वीर भी साझा की गई है। एक्स हैंडल पर लिखा गया है, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सर गंगाराम अस्पताल में इलाजरत झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन से मुलाकात की। उन्होंने शिबू सोरेन के पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे 81 वर्षीय शिबू सोरेन को कुछ दिन पहले नई दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में दाखिल कराया गया है। बताया गया है कि उनकी हालत स्थिर है। उनके पुत्र झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी दो दिन पूर्व दिल्ली पहुंचे। शिबू सोरेन की बहू विधायक कल्पना सोरेन, उनके छोटे पुत्र विधायक बसंत सोरेन सहित परिवार के कई लोग दिल्ली में मौजूद हैं।

बिक्रम मजीठिया को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

चंडीगढ़, एजेंसी। 540 करोड़ रुपए से अधिक के ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किए गए शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को मोहाली कोर्ट ने 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। गुरुवार सुबह मजीठिया को कड़ी सुरक्षा के बीच मोहाली कोर्ट में पेश किया गया था। बिक्रम मजीठिया के आवास पर बुधवार को पंजाब विजिलेंस की टीम ने छापा मारा था। इसके बाद उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। मजीठिया की गिरफ्तारी को लेकर शिरोमणि अकाली दल के कार्यकर्ताओं ने भगवंत मान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पार्टी नेता दलजीत सिंह चीमा ने इसे बदले की कार्रवाई बताया था।

शिरोमणि अकाली दल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर पंजाब सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'न कभी झुके हैं, न कभी झुकेंगे।' जितना जोर लगाना है, लगा लो। हर अकाली कार्यकर्ता सरदार बिक्रम सिंह मजीठिया के साथ है। गुरुवार सुबह पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बिक्रम मजीठिया के खिलाफ हुई कार्रवाई पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने बयान में कहा, बिक्रमजीत मजीठिया को रिमांड पर लिया जाएगा, जिसमें वह सब कुछ बताएंगे कि उनके पास क्या–क्या है। मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा कि कोई भी अपनी पावर या पद का अहंकार न करे। मैं पंजाब के लिए वफादार हूं और मैंने यहां के लोगों से वादा किया था कि 'रंगला पंजाब बनाएंगे'। इसके लिए अगर वह मेरा भी नुकसान करते हैं तो कोई बात नहीं।

एक्सिओम-4 मिशन अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से सफलतापूर्वक जुड़ा

आईएसएस पहुंचने वाले पहले भारतीय बने शुभांशु

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने पुष्टि की

फ्लोरिडा, एजेंसी। एक्सिओम–4 मिशन का स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़ गया और इसके साथ ही, भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने इतिहास रच दिया। वह आईएसएस में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गये।

भारतीय अंतरिक्ष आकांक्षाओं के लिए एक बड़ी छलांग लगाते हुए भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला आज इतिहास में तब दर्ज हो गए जब ड्रैगन कैप्सूल आईएसएस पर हार्मनी मॉड्यूल से भारतीय समयानुसार शाम साढ़े चार बजे धीरे–धीरे जुड़ गया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इसकी पुष्टि की है। ग्रुप कैप्टन शुक्ला इस मिशन के पायलट हैं। इस मिशन ने कल फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। मिशन में ग्रुप कैप्टन शुक्ला के साथ पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन, पोलैंड के स्लावोज़ उज़्नान्स्की–विस्निएव्स्की और हंगरी के टिबोर कपू गए हैं। इस मिशन से भारत ने न केवल अपने अंतरिक्ष सपनों को फिर से जगाया है, बल्कि वाणिज्यिक और सहयोगी अंतरिक्ष शोध के नए युग में अपनी जगह भी बनाई है। एक्सिओम–4 टीम अब आईएसएस पर अपने शोध प्रयोगों और कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू करते हुए विज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने के अपने मिशन को जारी रखेगी। नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए समझौते के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु आईएसएस पर जाने वाले पहले और अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। आज से 41 साल पहले भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर राकेश शर्मा ने वर्ष 1984 में सोवियत संघ के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। ग्रुप ■ शेष पृष्ठ 8 पर

एक बच्चे की तरह सीख रहा था : शुक्ला

इस बीच शुक्ला ने अंतरिक्ष से दिल को छू लेने वाला संदेश भेजा जिसने लाखों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने संदेश में उन्होंने कहा, अंतरिक्ष से नमस्कार! जब मैं कैप्सूल में बैठा था तो मेरे दिमाग में बस यही विचार था कि 'चलो बस चलते हैं'... और फिर अचानक, कुछ नहीं–आप तैर रहे थे। पृथ्वी के ऊपर तैरते हुए मैं दृश्यों का आनंद ले रहा था, एक बच्चे की तरह सीख रहा था।'

खाद की किल्लत से किसान परेशान

कालाबाजारी और प्रशासन की निष्क्रियता से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी धान की फसल

सोहागपुर, देशबन्धु। आसपास के गांवों में इन दिनों डीएपी खाद की भारी किल्लत देखी जा रही है, जिससे धान की फसल के लिए तैयार किसान गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। प्रशासन की लचर व्यवस्था और कालाबाजारी व्यापारियों की मनमानी ने किसानों की कमर तोड़ दी है।

स्थानीय डबल लॉक केंद्रों पर खाद लेने के लिए किसानों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। कई किसानों का कहना है कि वे लगातार दो से तीन दिन तक लाइन में खड़े रहते हैं, फिर भी उन्हें खाद नहीं मिल पा रही है। स्थिति इतनी भयावह है कि कुछ किसान तो रातभर लाइन में बैठने को मजबूर हैं। जहां एक ओर सरकारी केंद्रों पर खाद उपलब्ध नहीं हो रही है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय व्यापारियों द्वारा खुलेआम खाद की कालाबाजारी की जा रही है। सूत्रों के अनुसार डीएपी खाद को 300 से 400 रुपये प्रति बोरी अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है। किसानों की मजबूरी का फायदा उठाकर व्यापारी बड़ा मुनाफा कमा रहे हैं। यह कोई पहली बार नहीं है जब खाद की किल्लत से किसान परेशान हो रहे हों। हर वर्ष यह समस्या दोहराई जाती है, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस समाधान नहीं किया जाता। ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रशासन और व्यापारियों के बीच कोई

अघोषित गठजोड़ हो, जिसमें गरीब किसान ही पिस रहा है।

वर्तमान समय धान की बुआई का सबसे महत्वपूर्ण चरण है, जिसमें डीएपी खाद की अत्यधिक आवश्यकता होती है। यदि समय पर खाद न मिले तो फसल की गुणवत्ता और उपज दोनों पर विपरीत असर पड़ता है। ऐसे में किसान के सामने कोई विकल्प नहीं बचता और उसे कर्ज लेकर महंगी खाद खरीदनी पड़ती है।

मजबूर किसान और मौन तंत्र, कौन देगा न्याय? : एक ओर किसान सरकार की कृषि योजनाओं और अनुदान पर भरोसा करता है, वहीं दूसरी ओर जब उसे सबसे अधिक जरूरत होती है, तंत्र आंखें मूंदे रहता है। किसानों का कहना है कि वे अब थक चुके हैं, लेकिन फिर भी आवाज उठाने से डरते हैं कि कहीं खाद की आपूर्ति पूरी तरह बंद न हो जाए।

किसानों की मांग : किसानों की मांग है कि तत्काल खाद की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। कालाबाजारी करने वाले व्यापारियों पर सख्त कार्रवाई हो। प्रशासन पारदर्शिता से खाद वितरण प्रणाली लागू करे। प्रत्येक ग्राम पंचायत में खाद वितरण केंद्र बनाया जाए। किसानों का कहना है कि यदि प्रशासन ने अब भी नहीं जागा तो आने वाले समय में कृषि संकट और गहरा सकता है, जिसका असर न केवल किसानों पर, बल्कि पूरे अन्न भंडारण तंत्र पर पड़ेगा।

सोमनाथ आदिवासी किसान संगठन ने दिया ज्ञापन : इधर सोमनाथ आदिवासी किसान संगठन के बैनरतले कार्यकर्ताओं द्वारा नायब तहसीलदार रणजीत चौहान को ज्ञापन सोपा गया, जिसमें डबल लाक में खाद की उपलब्धता तथा सोहागपुर में भी उपकेंद्रडबल लॉक खोला जाए और किसानों को खाद दिया जाए, जिससे कि किसान परेशान ना हो। संगठन के सदस्यों ने कहा है कि फसल की बोनी चल रही है रोपाई का समय है। धान सोयाबीन सहित अन्य फसलों के लिए यूरिया और डीएपी की आवश्यकता है। खाद रखने के लिए नगर में सिंचाई विभाग की दो बिल्डिंग है ग्राम करणपुर में भी समिति की बिल्डिंग है आदिवासी ग्राम कमती और गौड़ी खेड़ी में भी बिल्डिंग उपलब्ध है। यहां पर खाद रखकर सुचारू रूप से किसानों को वितरण किया जा सकता है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि 8 दिन के अंदर उप केंद्र डबल लाक नहीं खोले गए और खाद यूरिया उपलब्ध नहीं हुआ तो वह धरना आंदोलन और प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन देने में संगठन के साथ-साथ बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पदाधिकारी भी मौजूद है।

पगढाल में रेल पटरी पर मिले शव के मामले का खुलासा

दहेज और चरित्र संदेह में पत्नी की हत्या कर मालगाड़ी के नीचे फेंका था

इटारसी, देशबन्धु। जीआरपी ने 16 जून को पगढाल रेलवे स्टेशन के पास एक अज्ञात महिला की ट्रेन से कटकर हुई मौत की गुत्थी सुलझा ली है। महिला की हत्या की गई थी, और इसमें आरोपी स्वयं महिला का पति है। उसने दहेज की मांग और चरित्र पर संदेह के कारण पत्नी की हत्या की थी। महिला और उसका पति मूलत: दोनों बिहार के रहने वाले थे, जो वर्तमान में सूरत गुजरात में रह रहे थे।

जीआरपी ने बताया कि डिप्टी एसएस हरदा से मेमो मिलने के बाद एक टीम ने महिला स्टाफ के साथ घटना स्थल का मुआयना किया। शव देखकर मृत्यु संदेहास्पद प्रतीत होने पर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में जांच को आगे बढ़ाया। थाना इंचार्ज प्रभारी उपनिरीक्षक आरएस बकोरिया, उपनिरीक्षक श्रीलाल पडरिया एवं डीएसपी रेल महेन्द्र सिंह कुल्हारा ने भी मौके पर निरीक्षण किया। महिला की उम्र 22 वर्ष थी। परिजनों की तलाश सभी माध्यम से की और अलग-अलग टीमें सूरत, भुसावल एवं बिहार भेजी। जांच के दौरान बिहार की टीम को सफलता मिली। महिला की पहचान रागिनी कुमार पुत्री सुलेखादेवी, मोहनपुर वार्ड 12, सलिग्रामी जिला बेगूसराय के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि रागनी तो अपने पति रूपेश यादव के साथ सूरत गई है। जांच में उसके पति द्वारा महिला की हत्या किया जाना पाये जाने पर अपराध पंजीबद्ध किया और रूपेश की तलाश में अलग-अलग टीमें भुसावल, उधना, सूरत भेजी जहां के सीसीटीवी फुटेज तलाशे तो संदेही रूपेश यादव बख्तियारपुर, जिला पटना बिहार में मिला। पूछताछ में बताया कि 15 जून को रागिनी को अपने ससुराल बिहार छोड़ने के दौरान सूरत से भुसावल आये। भुसावल में एक दिन रुकने के बाद 16 को 11 बजे भुसावल कटनी पैसेंजर से पगढाल उतर गया और स्टेशन के पास पटरी किनारे झाड़ियों के पास खेत में जाकर शराब पीया और रागिनी के साथ शारीरिक संबंध बनाये। बातचीत में रागिनी से अपने मायके से मोटर सायकिल और नगद 25 हजार रुपए लाने तथा दो लड़कों से बातचीत एवं प्रेम प्रसंग चलने को लेकर विवाद किया। विवाद बढ़ने पर आवेश में आकर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और पहचान छिपाने के लिए चलती मालगाड़ी के नीचे शव को डाल दिया। उसने रागिनी का आधार कार्ड एवं 4 फोटो लेडीज पर्स से निकालकर अपने पास रख लिया और वहां से भागकर पहले सूरत और फिर सूरत से बिहार चला गया। नवविवाहिता होने के कारण मामले की जांच डीएसपी इटारसी द्वारा की जा रही है।

केसला के वेयर हाउस से चुराई गेहूं की बोरियां, पुलिस ने ट्राली सहित जब्त कीं

इटारसी, देशबन्धु। केसला के पास अग्रसेन वेयर हाउस से बीती रात चोरों ने गेहूं की करीब 50-80 बोरियां चुराकर ट्रैक्टर-ट्राली में भरकर ले गये। हालांकि ढाबा कर्मचारियों की सजगता से माल पुलिस के हाथ लग गया। सूत्र बताते हैं कि चोर चोरी करने ट्रैक्टर-ट्राली साथ लाये थे। इससे पहले भी वे एक पिकअप वाहन से बोरियां चुराकर ले जा चुके हैं।

केसला थाना प्रभारी श्रीनाथ झरबड़े ने बताया कि बीती रात चोरों ने पुन: वेयर हाउस पर धावा बोला और पिछले तरफ की शटर एक तरफ से उठाकर बोरियां निकालीं और ट्रैक्टर-ट्राली में भरकर ले जाने लगे। इस बीच पहलवान ढाबा और पटेल ढाबा के कर्मचारियों ने चोरों का पीछा किया और चोरों को पकड़कर पुलिस को सूचना दी। केसला पुलिस ने माल अपने कब्जे में कर लिया है, ट्रेक्टर चालक भाग निकला है जबकि मामले में आठ लोग पुलिस के हाथ लगे हैं, जो हम्माल बताये जा रहे हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि ये दूसरी बार चोरी का प्रयास था। इसमें अब तक की जानकारी इटारसी और रैसलपुर के कुछ लोगों की संलिप्तता सामने आयी है। ये लोग हम्मालों को किराये पर लाकर माल लदवाकर माल ले जाते थे। मामले में हम्माल तो हाथ लग गये हैं, मुख्य आरोपी भाग निकला है, जल्द ही मुख्य आरोपी भी पकड़े जाएंगे।

गांजे के साथ एक गिरफ्तार

इटारसी, देशबन्धु। सिटी पुलिस ने रेलवे कालोनी 18 बंगला क्षेत्र से आज एक आरोपी को अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। गांजे की कीमत करीब 51 हजार रुपए बतायी जा रही है।

इस संबंध में टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि पत्ती बाजार ईरानी डेरा निवासी त्रिवेन्द्र कुमार उर्फ रामू को 18 बंगला, हनुमान मंदिर के पीछे से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 3 किलो 197 ग्राम गांजा जब्त किया है, जिसकी कीमत करीब 51 हजार रुपये है। आरोपी गांजे की खेप को खपाने का प्रयास में 18 बंगला क्षेत्र में खड़ा हुआ था। मुखबिर की सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा गया है। आरोपी को गिरफ्तार करने में निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला, उप निरीक्षक श्रद्धा राजपूत, सहायक उपनिरीक्षक रामराव उइके, प्रधान आरक्षक उपेन्द्र दुबे, अजब सिंह, अनिता, दुर्गा दुबे, राजेश पवार, राजकुमार, अंकित गौर, राज रघुवंशी, जय प्रकाश की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आयुक्त को सौंपी पेपरलेस इलेक्शन जागरूकता की प्रथम रिपोर्ट

पेपरलेस बूथ की नवीन प्रणाली से परिचित कराने की जरुरत : सारिका

इटारसी, देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश के 9 संभागों के अंतर्गत 21 जिलों में पंच, सरपंच एवं जनपद पंचायत सदस्यों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु उपनिर्वाचन होने जा रहे हैं। इन पदों के निर्वाचन नवीन प्रणाली पेपरलेस बूथ के माध्यम से होंगे अत: इस नवीन प्रणाली से मतदाताओं, अभ्यार्थियों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को परिचित कराया जाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे निर्वाचन के पहले इस नवीन निर्वाचन प्रणाली से भली भांति परिचित एवं अभ्यस्त हो सकें।

इस दिशा में आयोग की आईकॉन सारिका घारू द्वारा नर्मदापुरम संभाग के हरदा, बैतूल तथा नर्मदापुरम जिलों में की जा रही पेपरलेस इलेक्शन की जागरूकता गतिविधियां प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं। यह बात नर्मदापुरम कमिश्नर के जी तिवारी ने कही। इस अवसर पर सारिका घारू ने विगत दो माह में की गई जागरूकता गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब कम मतदान कर्मियों और कम मानवीय श्रम का उपयोग करके और अधिक विश्वास और पारदर्शिता के साथ स्थानीय चुनावों को कराने की तैयारी की जा रही है । पेपरलेस प्रक्रिया से पर्यावरण नुकसान भी कम होगा, इसमें परिवहन लागत और अन्य सामग्री की जरूरत में कमी आयेगी। सारिका ने बताया कि वे कमिश्नर केजी तिवारी के मार्गदर्शन में नर्मदापुरम संभाग में पेपरलेस बूथ के लिये जागरूकता गतिविधियां कर रही हैं।

खेड़ा ओवरब्रिज पर निराश्रित पशुओं का जमावड़ा, राहगीरों को हा रही परेशानी

इटारसी, देशबन्धु। बारिश का दौर प्रारंभ होते ही सड़कों पर विचरण करने वाले बेआसरा मवेशी राहगीरों और वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का सबब बन सकते हैं। इन दिनों बड़ी संख्या में ये मवेशी सड़कों पर सूखी जगह की तलाश में बैठे दिखाई दे रहे हैं। खासकर नर्मदापुरम मार्ग पर खेड़ा से आगे बने ओवरब्रिज पर इनकी संख्या बहुत अधिक है। खेड़ा स्थित आबादी क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में ये मवेशी बैठे रहते हैं।

शहर से नर्मदापुरम की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर खेड़ा क्षेत्र में बनाए गए ओवर ब्रिज मार्ग पर आए दिन निराश्रित पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे राहगीरों के आवागमन में परेशानी उत्पन्न हो रही है। शहर के विभिन्न स्थानों के साथ ही अब तो खेड़ा क्षेत्र में बने ओवरब्रिज पर वाहन चालकों के लिए ये परेशानी का सबब बन रहे हैं। पिछले वर्ष तो कलेक्टर की पहल पर नगर पालिका के अमले ने इनको पकड़कर रैसलपुर स्थित मंडी में भेजा था, इस वर्ष अब तक ऐसी कोई मुहिम प्रारंभ नहीं हुई है। आज ओवरब्रिज पर बड़ी संख्या में बैठे निराश्रित मवेशियों को हटाने कार से निकलकर वाहन चालकों ने अपने वाहन आगे बढ़ाये हैं। ये मवेशी थोड़ा आगे बढ़कर पुन: वापस आकर बैठ जाते हैं। ओवरब्रिज पर अंधेरा होने से रात के वक्त इनका बैठना खतरनाक साबित हो सकता है। प्रशासन को चाहिए कि इन मवेशियों की उचित व्यवस्था की जाए, जहां इनके खाने-पीने और उपचार का भी बंदोवस्त हो। इसके लिए गौसेवकों की मदद भी ली जाए।

बाबा बर्फानी के दर्शन करने 7 जुलाई को निकलेगा भक्तों का जत्था

इटारसी, देशबन्धु। मानसून के दौरान धार्मिक यात्राओं के लिए प्रसिद्ध इटारसी नगर से इस वर्ष भी सैंकड़ों भक्त बाबा बर्फानी के दर्शन करने अमरनाथ यात्रा पर जाएंगे। वे 7 जुलाई को सुबह झेलम एक्सप्रेस और अंडमान एक्सप्रेस से इटारसी से रवाना होंगे। पहलगाम हमले का इस धार्मिक यात्रा पर कोई असर नहीं हुआ है, बल्कि पिछले वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष और अधिक उत्साह भक्तों में देखा जा रहा है।

शिवशक्ति सेवा मंडल के भारतभूषण गांधी ने बताया कि जत्थे में संपूर्ण नर्मदांचल के श्रद्धालु भी प्रतिवर्ष इटारसी से अमरनाथ यात्रा जाते हैं। जत्था ले जाने का शुभारंभ सन् 1999 में शुरू हुआ। पहले साल इटारसी से यात्रा में 32 श्रद्धालुओं ने यात्रा की थी। बाद में हर साल संख्या बढ़ते चली गई। इस वर्ष भी दो सैंकड़ा यात्री शिवशक्ति सेवा मंडल के साथ जाएंगे। कुछ यात्री 3 जुलाई को वैष्णोदेवी यात्रा समिति के साथ रवाना होंगे।

विधायक निधि से बनने वाली सड़क का भूमिपूजन

इटारसी, देशबन्धु। नगर के वार्ड 22 में विधायक निधि 5.90 लाख रुपए से बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य का भूमिपूजन गुरुवार को नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और स्थानीय गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। भूमिपूजन कार्यक्रम में नगरपालिका की पार्षद सभापति जल श्रीमती गीता पटेल, विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र पटेल, भाजपा महामंत्री शैलेन्द्र दुबे, मनीष सोलंकी, विनय, पंकज दीवान, आनंद मोहन दुबे, श्याम दुबे, निशा दुबे, प्रीति पांडे, डब्लू यादव, निक्की सराठे, मनमोहन कुमार तथा बसंत दुबे उपस्थित रहे। इस सड़क निर्माण से क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इसे विकास की दिशा में एक अहम कदम बताया।

गंदे जल भराव से हो रही भारी समस्या

सोहागपुर, देशबन्धु। गौतम वार्ड स्थित स्टेट हाईवे क्रमांक 22 पर हनुमान मंदिर के सामने वर्षों से जमा हो रहा गंदा पानी अब स्थानीय नागरिकों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। नगर परिषद की अनदेखी और लापरवाही के चलते न केवल श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश के लिए गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, बल्कि आसपास के दुकानदारों और रहवासियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासी देवेंद्र कुशवाहा ने इस विषय को गंभीरता से उठाते हुए जनसुनवाई में एक लिखित आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन में बताया गया कि नगर परिषद द्वारा कायाकल्प योजना के अंतर्गत सड़क चौड़ीकरण कार्य किया गया था, परंतु निर्माण के दौरान वाटर लेवल का समुचित ध्यान नहीं रखा गया। इसके चलते हल्की वर्षा या सीवरेज जल निकासी न होने की स्थिति में सड़क पर मंदिर के सामने जल जमाव की स्थिति बन जाती है। गंदे पानी में मच्छर पनप रहे हैं, जिससे मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा बना हुआ है। श्रद्धालुओं को मंदिर जाने में भारी परेशानी हो रही है। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं कीचड़ व बदबू से गुजरने को मजबूर हैं। वहीं सड़क किनारे रहने वाले लोग दुर्गंध और गंदगी से त्रस्त हो चुके हैं।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि स्टेट हाईवे से गुजरने वाले भारी वाहन जब तेज रफ्तार में जलभराव वाले हिस्से से निकलते हैं, तो गंदा पानी आसपास की दुकानों, घरों और राहगीरों पर छींटता है। इससे दुकान संचालकों को व्यापार में और राहगीरों को आने-जाने में अत्यधिक कठिनाई होती है। वार्डवासियों ने नगर परिषद से मांग की है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए। मंदिर के सामने उचित ढलान और नालियों का निर्माण कर जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए, ताकि भविष्य में यह समस्या न बने और श्रद्धालु, दुकानदार, निवासी व राहगीर सभी राहत महसूस करें।

हालांकि नागरिकों द्वारा कई बार नगर परिषद को इस विषय में सूचित किया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे स्थानीय जनता में नाराजगी व्याप्त है। जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत करने के बाद अब लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन इस विषय को गंभीरता से लेकर शीघ्र समाधान की दिशा में कदम उठाएगा।

ग्रामीणों की परेशानी चरम पर

ग्राम पंचायतों में गंदगी का अंबार, सफाई के नाम पर होता है भ्रष्टाचार

__सोहागपुर, देशबन्धु।__ नर्मदापुरम जिले की सोहागपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली 62 ग्राम पंचायतों में से केवल दो-तीन ग्राम पंचायतों को छोड़ दिया जाए, तो बाकी सभी पंचायतों में साफ-सफाई की स्थिति बदतर बनी हुई है।

ग्रामीणों के अनुसार, बरसात से पहले गांवों की सफाई होना अत्यंत जरूरी था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। गांवों की गलियों में कीचड़ और कचरे का ढेर इस कदर फैला है कि ग्रामीणों का आना-जाना तक मुश्किल हो रहा है। बावजूद इसके पंचायत स्तर पर स्वच्छता को लेकर कोई ठोस प्रयास दिखाई नहीं दे रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान को धरातल पर लागू करने की बजाय, ग्राम पंचायतें केवल दिखावटी कार्यों तक सीमित हैं। जमीनी हकीकत यह है कि पंचायत में सफाई के नाम पर प्रतिवर्ष एक बड़ी राशि निकाली जाती है और बड़ा भ्रष्टाचार होता है। सफाई कर्मी,फिनायल, पाउडर दवाई, कीचड़ में रेत बाजरा डालने के नाम पर राशि निकालकर ह?प लेते हैं।

हैरानी की बात यह है कि कुछ ग्राम पंचायतों को स्वच्छता के प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए हैं। लेकिन अगर उन पंचायतों की वास्तविक स्थिति देखी जाए, तो हालात गंभीर हैं। मैदानी क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था लगभग शून्य है। कचरे के ढेर, खुले में गंदा पानी, बजबजाती नालियां और कीचड़ से सनी सड़कें साफ-सफाई के दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की स्थिति बदतर है, बारिश आने पर हालात और बिगड़ जाएंगे। नालियों की सफाई नहीं हुई, मच्छरों और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन मौके पर आकर स्वयं देखे, तभी स्थिति में सुधार संभव है।

इनका कहना है.....

हमने संबंधित ग्राम पंचायतों को बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि समय पर साफ-सफाई की जाए। कुछ पंचायतों ने काम किया है, जिन्हें प्रमाण पत्र भी दिए गए हैं। अगर कहीं से सफाई में लापरवाही की शिकायत मिलती है तो हम कार्रवाई करेंगे और पंचायत से सफाई का कार्य करवाया जाएगा।

***संजय अग्रवाल,** सीईओ जनपद पंचायत सोहागपुर*

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

खिलाड़ियों ने ली नशा नहीं करने की शपथ

पिपरिया, देशबन्धु। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आज आरएनए स्कूल खेल मैदान पर फुटबॉल खेल का नियमित अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों ने नशा नहीं करने की शपथ ली। मादक

पदार्थों के सेवन से शारीरिक मानसिक और आर्थिक नुकसान होता है। खिलाड़ियों ने स्वयं को, अपने परिवार एवं समाज में भी नशे से दूर रखने का संकल्प लिया। शपथ समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण प्रीतम सिंह पुर्विया ने दिलाई। शपथ में सचिन पुर्विया, उदितराज पटेल, आभास चौबे, साहिल राजपूत, अतुल रैकवार, सजल शर्मा, राज ठाकुर, ओम सिंह राजपूत, साक्षी विश्वकर्मा, मोहिनी ठाकुर, मेघा ठाकुर, अंकिता तिवारी, राशिका मेहरा सहित अन्य खिलाड़ी एवं युवा उपस्थित रहे।

वेयरहाउस का जायजा लेने पहुंची एसडीएम

पिपरिया, देशबन्धु। अनुविभागीय अधिकारी अनीशा श्रीवास्तव ने ग्राम डोकरीखेड़ा, पचमढ़ी रोड पिपरिया स्थित अमृतप्रभा वेयरहाउस एवं ग्राम

सांडिया स्थित इंद्रेश वेयरहाउस में संग्रहित मूंग का निरीक्षण तहसीलदार पिपरिया एवं संयुक्त जाँच दल के साथ किया। अमृतप्रभा वेयरहाउस में बारिश में भीगी बोरियों में मूंग संग्रहित पाई गई साथ ही 103 बोरी ऑनलाइन बोरियों की संख्या से अधिक मिलीं। इंद्रेश वेयरहाउस में वर्ष 24-25 की संग्रहित मूंग की गुणवत्ता एवं मात्रा वास्तविक स्टॉक अनुसार मिली।

ग्राम टेमागांव में विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला आज

हरदा, देशबन्धु। म.प्र. डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिषन हरदा द्वारा विकासखंड स्तर पर अलग-अलग स्थानों पर रोजगार मेलो का आयोजन किया जा रहा है। इन रोजगार मेलों में ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होगें। जिला प्रबन्धक ग्रामीण आजीविका मिशन रामनिवास कालेश्वर ने बताया कि 27 जून को विकासखंड टिमरनी की ग्राम पंचायत टेमागांव रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। इसी प्रकार 28 जून को विकासखंड खिरकिया की ग्राम पंचायत मोरगड़ी में रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इन रोजगार मेलों में प्रथम एज्युकेषन भोपाल, एसआईएस नीमच, प्रतिभा सिन्थेक्स पीथमपुर, सागर मैन्युफैक्चरिंग सागर एवं वर्धमान यार्न्स भोपाल की संस्थाऐं शामिल होंगी, जो प्रतिभागियों का चयन कर रोजगार के अवसर उपलब्ध करायेंगी।

विशेष चेकिंग अभियान में बिना फिटनेस संचालित स्कूल बस जप्त

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के निर्देश पर हरदा जिले के विभिन्न मार्गो पर विशेष चेकिंग अभियान आयोजित कर वाहनो को चेक किया जा रहा है। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान बकाया कर, बिना पंजीयन, अस्पष्ट रूप से पंजीयन क्रमांक अंकित होने, बिना बीमा, बिना पीयूसी, बिना फिटनेस और बिना परमिट के संचालित यात्री बस, स्कूल बस, ऑटो रिक्शा एवं लोडिंग वाहन, डम्पर वाहनो की चेंकिग की जा रही है। इसी क्रम में गुरूवार को चेकिंग अभियान के दौरान बिना फिटनेस संचालित 1 स्कूल बस को जप्त कर कार्यालय में खड़ा किया गया।

ऑटो चालकों को दी चेतावनी, नियमों का करें पालन, वरना होगी कार्यवाही

देशबन्धु की खबर का असर

फर्राटा भरते स्कूल वाहन, बच्चों की जान जोखिम में

पिपरिया, देशबन्धु। देशबन्धु में फर्राटा भरते स्कूल वाहन, बच्चों की जान जोखिम में नामक शीर्षक से खबर के प्रकाशित होने के बाद पुलिस ने ऑटो -मैजिक चालकों की क्लास ले ली। पुलिस ने इन्हें सख्त हिदायत दी है कि स्कूल वाहन चालक अपने ऑटो- मैजिक वाहनों में बच्चों की संख्या 8 से अधिक न बैठाएं। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम भी वाहनों में होना जरूरी है। अन्यथा, सख्त कार्यवाही की जाएगी।

मंगलवारा थाना में गुरुवार को ऑटो-मैजिक चालकों की पुलिस ने एक बैठक बुलाई। जिसमें स्पष्ट शब्दों में चालकों को हिदायत दी है कि अपने-अपने वाहन में क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं। वाहनों का रखरखाव समय समय पर करते रहें। लायसेंस, कागज, बीमा सभी के पास होना अनिवार्य है। यातायात प्रभारी सउनि महेश धुर्वे, थाने से उनि भागचंद धुर्वे और प्रआ प्रकाश खेमरिया ने चालकों को एरिया अनुसार ऑटो चालकों की सूची मुहैया कराने की बात भी कही। पुलिस ने कहा कि स्कूल समय पर पुलिस की नजर भी ऑटो चालकों पर रहेगी। साथ ही वाहन चालकों को अपनी रफ्तार पर भी नियंत्रण रखने की समझाइश दी है।

प्रदेश की शिक्षा की गुणवत्ता को चरम तक पहुंचना है: शिक्षा मंत्री

सोपास के विद्या रत्न सम्मान समारोह में मेधावी बिच्चों को दी शुभकामनाएं

नर्मदापुरम, देशबन्धु। सोसाइटी फॉर प्राइवेट स्कूल डायरेक्टर्स (सोपास) नर्मदा पुरम द्वारा एनएमव्ही कॉलेज के खचाखच भरे ऑडीटोरियम में आयोजित विद्यारत्न सम्मान समारोह में नर्मदापुरम जिले के समस्त् हाई स्कूल व हायर सेकेण्ड्री स्कूल के प्रतिभाशाली विद्धार्थियों को सम्मानित करते हुऐ शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि निजी और शासकीय दोनों विद्यालयों को मिलकर प्रदेश की शिक्षा की गुणवत्ता को चरम तक पहुंचना है, मिलकर के नई चुनौती के साथ कार्य करने का संकल्प लें।

कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विधायक नर्मदापुरम डॉ सीताशरण शर्मा ने अपनी मेहनत को सार्थक बनाते हुऐ कक्षा व स्कूल में अव्वल आने वाले बच्चों को सुनहरे भविष्य की शुभकामनायें दी। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने भी बच्चों की सराहना की। सोपास के संस्थापक सुभाष दीपक सिंह राजपूत ने संगठन के द्वारा गठन से लेकर के शिक्षा की गुणवत्ता के लिए कार्य करने के अवसर एवं वर्तमान में शिक्षा मंत्री द्वारा जो परिवर्तन किए है, उसके विषय में सराहना की। आगे भविष्य में समाज में शिक्षा के लिए कार्य करने वाले निजी विद्यालयों के लिए सम्मान के साथ शासन में एक स्थान का आवाहन किया।

सोपास संगठन के जिला अध्यक्ष आलोक राजपूत ने बताया इस प्रतिभा सम्मान समारोह में जिले के राज्य की सूची में आने वाले तीन विद्यार्थी और एमपी बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड के टॉपर 10 विद्यार्थी है इसके अतिरिक्त सभी जिले के टॉप लगभग 1000 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन रोहित गौर ने किया। आभार ब्लॉक अध्यक्ष रिजवान हैदर ने किया। प्रदेश अध्यक्ष आशीष चटर्जी, महासचिव प्रवीण पानीका, डॉक्टर हरगोविंद शुक्ला, मोहनलाल गौर, मुकेश सोना, कमलेश कुशवाहा, तेजराम गौर कई संचालक पदाधिकारी ने कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम में नगर पालिका नर्मदापुरम की अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव, जनपद पंचायत नर्मदापुरम के अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, जनप्रतिनिधि श्रीमती प्रीति पवन शुक्ला, राहुल सोलंकी, राजेश तिवारी, विकास नारोलिया, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एसपीएस बिसेन, डीपीसी राजेश जायसवाल सहित 63 स्कूलों के संचालक एवं प्राचार्य तथा शिक्षक एवं बड़ी संख्या में मेधावी विद्यार्थी उपस्थित थे।

जनप्रतिधिगणों ने मंत्री संग किया पौधरोपण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रतापसिंह के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधिगणों द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पौधरोपण कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ सीताशरण शर्मा, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला, नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, भाजपा हंस राय, पूर्व मंडल अध्यक्ष रोहित गौर सहित अनेक भाजपा नेता उपस्थित थे। ध्यान रहे कि सोपास द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह के संपन्न होने के बाद नर्मदा महाविद्यालय परिसर में यह पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

पैसा से संबंधित धरती आबा शिविर का हुआ आयोजन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौजान सिंह रावत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सतीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत बाबई खुर्द में धरती आबा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जनजाती प्रकोष्ठ राज्य भवन भोपाल से श्रीमति डॉ दीपमाला रावत ने धरती आबा शिविर में सम्मिलित होकर शासन के विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के बारे में बताया एवं ग्रामीणों को भी उनके हक अधिकार की जानकारी दी, साथ ही बताया कि पैसा एक्ट के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है जिससे वे अपने जीवन मे बदलाव ला सकते है।

शिविर समापन उपरांत नर्मदापुरम जिले के कलेक्ट्रेट के रेवा सभा कक्ष में जनजाती प्रकोष्ठ राज्य भवन भोपाल से श्रीमति डॉ दीपमाला रावत द्वारा धरती आबा योजना से संबंधित 17 विभागों की के अधिकारियों से समीक्षा की एवं पैसा जिला समन्वयक एवं सभी मोब्लेजर की बैठक ली। बैठक के दौरान सभी मोब्लेजर से उनके द्वारा फील्ड में पैसा से संबंधित किये गए कार्यों की जानकारी ली। बैठक में पेसा एक्ट के जिला समन्वयक अरविन्द धुर्वे ने बताया कि कैसे समितियों का गठन किया जाना है बैंकों में खाते खोले जाने है एवं ग्रामवासियों को पैसा से संबंधित लाभकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रचार प्रसार कर लाभ दिलाना है।

दिल्ली में आयोजित बैठक में शामिल हुए अजय सैनी, संगठन सृजन पर रखी बात

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कांग्रेस राष्ट्रीय मुख्यालय दिल्ली में पिछला वर्ग प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद द्वारा बैठक रखी गई, जिसमें अत्यंत गंभीर विषयों पर चर्चा हुई, पिछड़ा वर्ग प्रदेश उपाध्यक्ष अजय सैनी ने संगठन सृजन को लेकर अपनी बात रखते हुए कहा कि वर्तमान में जिला अध्यक्ष के लिए रायशुमारी चल रही है, पर्यवेक्षकों को दावेदारों की पूरी रिपोर्ट कार्यकर्ताओं से लेनी चाहिए कि पिछले चुनाव में सत्ता के खिलाफ उनकी क्या भूमिका रही है। वह संगठन के लिए कितने सक्रिय और निष्पक्ष रहे हैं इस बात पर विचार होना चाहिए, सत्ता से तालमेल बैठा कर व्यापार करने वाले भी जिला कांग्रेस के मुखिया न हो। पिछड़ा वर्ग के लिए राहुल गांधी को संभाग स्तर पर अपने कार्यक्रम आयोजित करने हेतु भी सुझाव रखा जिससे कि समाज को और बेहतर तरीके से आगे ले जाया जा सके। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जय हिंद का स्वागत किया।। इस अवसर पर वर्तमान विधायक एवं पिछड़ा वर्ग प्रदेश अध्यक्ष सिद्धार्थ कुशवाहा, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हिना काबरे, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, विधायक आर के दोगने, पूर्व मंत्री हर्ष यादव, पूर्व विधायक बैद्यनाथ कुशवाह, शैलेन्द्र पटेल पूर्व लोकसभा प्रत्याशी, पूर्व विधायक सुनीता पटेल, अर्चना जायसवाल मदन पटेल, योगेश सराफ रहे मौजूद।

पत्रकारिता भारत के लोकतंत्र की रीढ़ : राजपूत

नारद जयंती के उपलक्ष्य में पत्रकार मिलन कार्यक्रम का आयोजन

हरदा, देशबन्धु। तीनों लोकों में देवऋषि नारद इस सृष्टि के आद्य (पहले) पत्रकार थे। वे देवताओं, मनुष्यों और राक्षसों के बीच सहजता व निर्भिकता से सूचनाओं का आदान- प्रदान करते थे। वर्तमान समय में भी पत्रकार निर्भिकता का परिचय देते हुए खबरों का संकलन और प्रकाशन करते हैं।

यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह गोविंद राजपूत ने कही। वे गुरुवार को परमात्मा प्रसाद वाजपेयी, न्यास द्वारा आयोजित पत्रकार मिलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप से बोल रहे थे। उन्होंने कहा नारद जी की सूचनाओं के प्रसार के पीछे कल्याण भाव रहता था। उसी अनुरूप पत्रकारिता के पीछे का उद्देश्य जन कल्याण, सामाजिक न्याय व मानवाधिकारों की वकालात करना है। पत्रकारिता भारत के लोकतंत्र की रीढ़ है। जनता को सूचित और शिक्षित करना पत्रकारिता का धर्म है। उद्बोधन के तहत उन्होंने समाज में संघ का विलय या संघ में समाज का विलय करने की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए, संघ के शताब्दी वर्ष के पंच परिवर्तन को भी संक्षिप्त में समझाया।

कार्यक्रम के विशेष अतिथि नर्मदापुरम विभाग के संघ के विभाग प्रचार प्रमुख संतोष नौरिया ने कहा, प्रचार विभाग का उद्देश्य है कि संघ का विचार प्रत्येक नगर, गाँव में घर घर तक पहुंचे। पत्रकार भी समाज में सामाजिक सरोकार के विषयों को जन जन तक पहुँचाते हैं। श्री नौरिया ने एक पत्रकार की महत्ता और चुनौती को कवि हर्ष कुमार की लिखित एक कविता पढ़कर व्यक्त किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिले के टिमरनी निवासी वरिष्ठ पत्रकार गुरुदेव बिल्लौरे ने की। उन्होंने परमात्मा प्रसाद वाजपेयी, न्यास को आयोजन के लिए बधाई देते हुए सराहना की। उन्होंने पत्रकारों से आह्वान किया कि समाज में पत्रकारिता धर्म निभाने में जो चुनौतियाँ आती हैं, उसे स्वीकारते हुए बीच का रास्ता चुन निर्भीक, निष्पक्ष व ईमानदारी से सामाजिक सरोकार की पत्रकारिता करते रहिए। कार्यक्रम का संचालन संघ के जिला प्रचार प्रमुख डॉ. विवेक भुस्कुटे ने किया। उन्होंने जानकारी दी कि न्यास अगले वर्ष से जिले के वरिष्ठ पत्रकारों व पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित भी करेगा। डॉ. भुस्कुटे ने अतिथियों का परिचय कराया और आभार व्यक्त किया।

नशीली दवाओं के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता शिविर संपन्न

हरदा, देशबन्धु। प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष श्रीमती तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में नालसा की ''डॉन योजना'' के नशा मुक्ति अभियान के तहत गुरूवार को होलीफेथ हायर सेकण्ड्री स्कूल और ज्ञान गंगा हायर सेकण्ड्री स्कूल में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चंद्रशेखर राठौर ने बताया कि नालसा डॉन योजना राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नशा उन्मूलन के लिये शुरू की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य युवा व किशोरों में नशीले पदार्थों के उपयोग के विरूद्ध जागरूकता ब?ाना और नशे के शिकार लोगों को कानूनी सहायता और कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करना है। उन्होने नालसा नशा पी?ितो को विधिक सेवाएं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाऐं योजना के उपबंधों की जानकारी देते हुए बताया गया कि योजना के तहत ड्रग्स तस्करी एवं ड्रग्स पी?ितों को जिला प्राधिकरण के द्वारा आवश्यक विधिक सेवा उपलब्ध करायी जाती है। योजना के तहत ड्रग्स पी?ितों को पहचानने, उनका उपचार करने तथा नशा मुक्ति के पश्चात उनके पुनर्वास में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं को गतिमान कराया जाता है।

सचिव श्री राठौर ने उपस्थितजन को ड्रग्स तस्करी एवं नशीले पदार्थो के सेवन से होने वाले हानिकारण प्रभावों के संबंध में बताया। उन्होने बताया कि व्यक्ति को बी?ी, सिगरेट, शराब, तंबाकू, ड्रग जैसे नशीले पदार्थो से दूर रहना चाहिए। नशा न सिर्फ समाज के लिए घातक है बल्कि उस व्यक्ति और उसके परिवार के लिए भी घातक है। जिन परिवारों में बच्चों

और अभिभावकों के बीच स्नेहमय संबंध शिथिल या खत्म हो जाते हैं अथवा जिनके अभिभावक या परिवारजन ड्रग अथवा मादक पदार्थों का प्रयोग करते हैं, सामान्यता वे बच्चे ड्रग दुरूपयोग के पीड़ित बन जाते हैं।

जिला विधिक सहायता अधिकारी सौरभ कुमार दुबे ने पॉक्सो एक्ट, पॉक्सो रूल्स तथा प्रतिकर से संबंधित अन्य कानूनी प्रावधानों की जानकारी उपस्थित जनों दी और उन्हें इस बारे में भी जागरूक किया गया कि वे किस प्रकार विधिक सहायता प्राप्त कर सकते है। उन्हें बताया गया कि नियमानुसार विधिक सहायता प्राप्त करने हेतु संबंधित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, तहसील विधिक सेवा समिति में उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत कर अथवा डाक के माध्यम से विधिक सहायता का आवेदन संबंधित विधिक सेवा संस्थान को प्रेषित किया जा सकता है। साथ ही विधिक सहायता के लिए नालसा टोल फ्री नंबर 15100 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

सभी अधिकारी अपने दायित्वों को शतप्रतिशत गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें: उइके

हरदा, देशबन्धु। अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के राज्य मंत्री एवं क्षेत्रिय सांसद दुर्गादास उइके की अध्यक्षता में गुरूवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति ''दिशा'' की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होने उपस्थित सभी अधिकारियों से कहा कि अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन शतप्रतिशत निष्ठा एवं गुणवत्ता के साथ करें। उन्होने कहा कि जिले के आदिवासी अंचलों में जनजाति बहूल क्षेत्रों में शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिये ग्रामीणों को हर संभव मदद करें।

केन्द्रीय मंत्री श्री उइके ने स?क निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री ग्राम स?क योजना के महाप्रबन्धक को स?क निर्माण कार्यों की स्पॉट पर जाकर जांच करने तथा गुणवत्ता का ध्यान रखकर गति ब?ाने के निर्देश दिये। मंत्री श्री उइके ने जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल योजनाएं पूर्ण करने के बाद ही पंचायत को हस्तांतरित की जाए और पेयजल पाइप लाइन के कारण जो स?कें खुदी हुई है, उन्हें तत्काल रिपेयर कराया जाए। उन्होने कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को निर्देश दिये कि वर्षा ऋतु में दुषित पेयजल से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में बीमारी फैलने की संभावना रहती है। अत: जल स्त्रोतों का क्लोरिनेशन किया जाए। श्री उइके ने मनरेगा के कार्यो में मजदूरी का भुगतान समय पर कराने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्रामीण व शहरी पीएम आवास योजना की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि पूरा विभागीय अमला लगकर कार्य करें ताकि 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। इस दौरान टिमरनी नगर पालिका अध्यक्ष देवेन्द्र भारद्वाज ने बताया कि पीएम आवास में पुरानी रजिस्ट्री में नामांतरण व बंटवारा में दिक्कत आती है, जिस पर उन्होंने कलेक्टर को निर्देश दिए कि नामांतरण व बंटवारा सहज और सरलीकरण करें ताकि आम नागरिकों को सुविधा हो। श्री उइके ने महिला एवं बाल विकास की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में कम लक्ष्य पर नाराजगी जाहिर की एवं जल्दी-जल्दी से लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होने इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित करें कि कोई भी आंगनवा?ी जर्जर भवन में संचालित न हो।

श्री उइके ने आयुष्मान कार्ड पंजीयन कार्य भी समीक्षा की और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि जिन ग्रामों में नेटवर्क के अभाव में पंजीयन कार्य नहीं हो पाता है, वहां के ग्रामीणों को नेटवर्क क्षेत्र वाले गांवों में लाकर विशेष शिविर आयोजित कर उनके पंजीयन कराएं व उनके आयुष्मान कार्ड बनवाएं। मंत्री ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि कृषि विभाग से संबंधित केन्द्र की सभी योजनाओं का मुनादी तथा प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए ताकि कोई भी किसान शासन की योजना का लाभ लेने से वंचित न रहे। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष गजेन्द्र शाह, नगर पालिका

अध्यक्ष श्रीमती भारती राजू कमे?िया, अध्यक्ष नगर पालिका टिमरनी देवेन्द्र भारद्वाज, अध्यक्ष नगर पंचायत सिराली श्रीमती अनिता अग्रवाल, जनपद अध्यक्ष खिरकिया श्रीमती रानू दशरथ पटेल, कलेक्टर सिद्धार्थ जैन, पुलिस अधीक्षक अभिनव चौकसे, जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानिया सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

लोगो का विमोचन

बैठक के पश्चात श्री उइके ने स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान के तहत जिले के लिये तैयार किये गये लोगो का विमोचन किया। उन्होने सभी नागरिकों से स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान में सक्रिय रूप से भागीदारी करने की अपील की। इस अवसर पर कलेक्टर श्री जैन ने केन्द्रीय मंत्री श्री उइके को जिले में एक जिला एक उत्पाद के तहत निर्मित बांस के उत्पाद भेंट किये।

नगरपालिका की टीम ने सख्ती से हटाया अतिक्रमण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नगरपालिका की टीम द्वारा वार्ड नंबर 06 में सुलभ काम्प्लेक्स के पास टप रखकर किए गए अतिक्रमण को आज हटा दिया गया है। साथ ही नगर के प्रमुख मार्गों पर फल सब्जी के ठेले रखकर व्यवसाय करने वालों भी सख्त हिदायत देते हुए उन्हें निर्धारित स्थान पर पहुंचाया गया।

अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नगर को व्यवस्थित करने तथा यातायात को सुगम बनाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। स?क मार्ग से फल एवं सब्जी के ठेले वालों को हटाया जा रहा है। गुरूवार को वार्ड नंबर 06 सुलभ काम्प्लेक्स के सामने टप रखकर अतिक्रमण किया गया था। जिससे सुलभ काम्प्लेक्स में आने जाने में महिलाओं और आमनागरिकों को परेशानी का सामना करना प? रहा था। आज उस अतिक्रमण को सख्ती से हटा दिया गया है। साथ ही हिदायत दी है कि दोबारा अतिक्रमण किया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण हटाने पर स्थानीय वार्डवासियों ने नगरपालिका अध्यक्ष और मुख्य नगरपालिका अधिकारी सहित नपा की टीम को धन्यवाद दिया।

उर्वरक उर्वरक का अवैध परिवहन करने पर व्यापारी के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

नर्मदापुरम, देशबन्धु। गत दिवास पिपरिया विकासखण्ड के ग्राम सेमरीरंधीर के पास डीएपी. उर्वरक से भरा ट्रक पलटने की घटना हुई, जिसकी जांच उर्वरक निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखण्ड-पिपरिया द्वारा करने पर पाया गया कि यह उर्वरक डीएपी से भरा दुर्घटना ग्रस्त ट्रक क्र. एम.पी.-47 जेड.बी.1931 जयप्रकाश नारायण राठी मे. एग्रो सर्विस सेंटर हरदा द्वारा हरदा रैक प्वाईंट से 590 बोरी भरकर रामदास ट्रेडर्स करकबेल, जिला नरसिंहपुर जा रहा था, तत्काल उर्वरक को जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया। मामले की विस्तृत जांच के दौरान उर्वरक निरीक्षक पिपरिया द्वारा इस डीएपी से भरे हुए दुर्घटनाग्रस्त ट्रक की जानकारी उपसंचालक कृषि जिला-नर्मदापुरम को दी गई। उप संचालक कृषि नर्मदापुरम एवं प्रभारी संयुक्त संचालक कृषि नर्मदापुरम द्वारा तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच दल का गठन कर एग्रो सर्विस सेंटर हरदा के प्रतिष्ठान एवं भण्डारण स्थल पर भण्डारित उर्वरक एवं अभिलेखो की जांच कराई गई। जांच दल द्वारा यह पाया गया कि जिला हरदा के किसानो के लिए आवंटित डीएपी उर्वरक को एग्रो सर्विस सेंटर हरदा के प्रोपराईटर जयप्रकाश नारायण राठी द्वारा हरदा जिले के अलावा अन्य जिलें देवास, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम में अवैध परिवहन कराया गया है।

नाम परिवर्तन सूचना

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै शर्मिला पारख (SHARMILA PARAKH) पति सतीश कुमार पारख निवासी देवाश्री विहार कालोनी मोती वार्ड बैतूल (म.प्र.) मुझे पुर्व में शर्मिला पारेख के नाम से जाना जाता था अब मुझे आधार कार्ड के नाम के अनुसार **शर्मिला पारख** (SHARMILA PARAKH) के नाम से जाना व पहचाना जावे।

हस्ताक्षर- शपथकर्ता

देशबन्धु

नर्मदापुरम, शुक्रवार 27 जून 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

शुभांशु शुक्ला से क्या पूछेंगे मोदीजी

41 साल बाद एक बार फिर भारत के अंतरिक्ष यात्री के कदम अंतरिक्ष की तरफ बढ़े हैं। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अन्य तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ बुधवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की तरफ बढ़े, तो इतिहास रचने के इस पल के करोड़ों लोग साक्षी बने। भारत में कानपुर में जहां शुभांशु शुक्ला की पढ़ाई हुई है, वहां बाकायदा व्योमोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों स्कूली बच्चे शामिल हुए।

इससे पहले 1984 में भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष यात्रा की थी। तब सोवियत रूस के साथ भारत के एक संयुक्त मिशन के तहत राकेश शर्मा आठ दिनों की अंतरिक्ष यात्रा पर गए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ उनका ऐतिहासिक संवाद आज भी रोमांचित करता है। अंतरिक्ष में बैठे राकेश शर्मा से इंदिरा गांधी ने पूछा था कि अंतरिक्ष से भारत कैसा दिखाई देता है और जवाब में राकेश शर्मा ने कहा था- सारे जहां से अच्छा।

इस अद्भुत संवाद की याद इसलिए भी आई क्योंकि शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर राकेश शर्मा का एक रिकार्ड किया हुआ पॉडकास्ट रक्षा मंत्रालय ने जारी किया है, जिसमें राकेश शर्मा से पूछा गया कि अंतरिक्ष से दुनिया और भारत को देखकर उन्हें कैसा महसूस हुआ, तो उन्होंने कहा, 'ओह डियर! बहुत सुंदर।' हालांकि राकेश शर्मा ने यह भी कहा कि अंतरिक्ष यात्रा की तकनीक बदल गई है, लेकिन इंसान ज्यादा नहीं बदले हैं। अंतरिक्ष में जाने से सोच बदल जाती है। इंसान दुनिया को एक अलग तरीके से देखने लगते हैं। उन्हें समझ आता है कि ब्रह्मांड कितना बड़ा है।'

वहीं शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट किया है कि 'पृथ्वी से बाहर तिरंगा लहराने वाले स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के मिशन के 41 साल बाद यह भारत के लिए अद्भुत क्षण आया है। यह एक मिशन से कहीं बढ़कर है - यह भारत की निरंतर बढ़ती क्षमताओं की पुष्टि करता है।'

भारत के लिए यह वाकई गर्व की बात है कि एक बार फिर से अंतरिक्ष यात्रियों की सूची में भारतीय का नाम दर्ज हो गया है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी शुभांशु शुक्ला से बात कर सकते हैं। वैसे हाल में कई ऐसे मौके आए हैं, जिनमें इसरो के अभियानों में श्री मोदी महत्वपूर्ण क्षणों में खुद उपस्थित रहने की कोशिश करते हैं। चंद्रयान सफल हुआ था, तो श्री मोदी के हाथ में छोटा सा तिरंगा लेकर लहराने का दृश्य भी याद है। अब सवाल यह है कि अगर प्रधानमंत्री मोदी शुभांशु शुक्ला से बात करते हैं तो उनका सवाल क्या होगा। क्या वे भी इंदिरा जी की तरह- भारत कैसा दिखाई देता है, यह पूछेंगे, या कोई नया सवाल लाएंगे, जिसमें राष्ट्रवाद की झलक भी दिखे।

बहरहाल, शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष से अपना नमस्कार धरतीवासियों को भेजा है और एक संदेश में उन्होंने बताया है कि किस तरह अंतरिक्ष में रहने के लिए बच्चों की तरह उन्हें सारी चीजें फिर से सीखनी पड़ रही हैं। शुभांशु अपने साथ हंस का एक सॉफ्ट टॉय भी लेकर गए हैं। उनका कहना है कि भारतीय संस्कृति में हंस को ज्ञान, शुद्धता और अनुग्रह का प्रतीक माना जाता है। यह माता सरस्वती का वाहन है, जो विद्या और बुद्धि की देवी हैं। हंस में दूध और पानी को अलग करने की अनोखी क्षमता होती है, जो शुद्धता और ज्ञान का प्रतीक है। इस खिलौने को 'जॉय' नाम दिया गया है। शुभांशु शुक्ला का कहना है कि जॉय को साथ ले जाना मुझे मेरे मूल्यों और संस्कृति से जोड़े रखता है। यह मिशन मेरे लिए सिर्फ एक वैज्ञानिक यात्रा नहीं, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। बता दें कि हल्के खिलौनों को अंतरिक्ष में साथ ले जाने की पुरानी रवायत रही है। इनसे पता चलता है कि यान में कब शून्य गुरुत्वाकर्षण हो गया है। हालांकि इस बार खिलौने को भारतीय संस्कृति से अंतरिक्ष यात्री ने जोड़ा है। नीर-क्षीर विवेक की बात कहकर शुभांशु शुक्ला ने बता दिया है कि हमारे पुरखों की सोच और दृष्टि कितनी व्यापक, पैनी और साथ-साथ उदार भी थी। लेकिन अभी जिस तरह से भारतीय संस्कृति का गुणगान किया जाता है, उसमें एक संकीर्णता नजर आती है, जो चिंतित करती है।

ज्ञान और बुद्धि के लिए मां सरस्वती को याद करना, शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा को भारत की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक बताना, यह सब तो ठीक है। लेकिन यह वक्त खुद से कुछ सवाल करने का भी है। मसलन, भारत से दूसरे अंतरिक्ष यात्री को जाने में 41 बरस का लंबा वक्त क्यों लगा। क्यों अब भी हमें विदेशी संस्थानों की मदद से अंतरिक्ष यात्रा करनी पड़ रही है। शुभांशु शुक्ला के बाद तीसरे अंतरिक्ष यात्री के लिए भारत को कितना इंतजार करना होगा।

बेशक राकेश शर्मा और शुभांशु शुक्ला के अलावा कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स भी अंतरिक्ष में गए हैं, लेकिन वे अमेरिकी नागरिक के तौर पर गए। भारत ने पहली बार सोवियत रूस की मदद से अपने अंतरिक्ष यात्री को भेजा, तब आजादी को 37 साल ही हुए थे, हालांकि नेहरूजी की प्रेरणा और विक्रम साराभाई, होमी जहांगीर भाभा जैसे दूरदृष्टा वैज्ञानिकों के कारण भारत में अंतरिक्ष और विज्ञान अनुसंधान के श्रेष्ठ संस्थानों की स्थापना हो चुकी थी और देश में ज्ञान-विज्ञान की नयी लहर बह रही थी। इस लहर को और ऊंचा उठाने की जगह राजनैतिक स्वार्थों की रूकावटें डाली गईं, संस्कृति और धर्म के नाम पर रुढ़िवादिता को बढ़ावा मिला। उसी का नतीजा है कि दूसरा अंतरिक्ष यात्री 4 दशक के लंबे वक्त के बाद गया और वह भी अमेरिकी निजी संस्थान की मदद से।

अमेरिका की एक्सियोम कंपनी के निजी मिशन का हिस्सा बनकर शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष गए हैं। इस मिशन में 3 अन्य अंतरिक्ष एजेंसियां नासा, इसरो और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी भी शामिल हैं। यह मिशन एक्सियोम कंपनी के व्यावसायिक स्पेस स्टेशन की लॉन्चिंग का हिस्सा है। एक्सियोम कंपनी भविष्य में कमर्शियल स्पेस स्टेशन स्थापित करने की तैयारी में है। इस अभियान की सफलता से अंतरिक्ष पर्यटन के द्वार खुलेंगे। जहां तक भारत की बात है तो 2027 में लॉन्च होने वाले इसरो के गगनयान मिशन पर इस अभियान का असर देखने मिलेगा।

लेकिन अंतरिक्ष कार्यक्रमों में दुनिया के दूसरे देशों से आगे निकलना है तो उसके लिए अकेले इसरो पर सारी जिम्मेदारी नहीं छोड़ी जा सकती। न ही व्योमोत्सव जैसे कार्यक्रम बच्चों में वैज्ञानिक नजरिया भर सकते हैं। इसके लिए फिर से वही तैयारी करने की जरूरत है, जो नेहरूजी ने आजादी के बाद शुरु की थी।

प्राथमिक छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का महाराष्ट्र सरकार का निर्णय अनुचित

■ डॉ. अरुण मित्रा

महाराष्ट्र सरकार द्वारा कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का निर्णय बेतुका, खतरनाक और शिक्षा के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। राज्य के शिक्षा मंत्री दादा भूसे ने कहा कि कक्षा एक से बच्चों को सैन्य प्रशिक्षण देने का विचार 'युवा शिक्षार्थियों में कम उम्र से ही देशभक्ति, अनुशासन और शारीरिक फिटनेस' को बढ़ावा देना है। हालांकि यह बच्चे की देखभाल के किसी भी पहलू पर लागू नहीं होता है। यह बाल विकास के प्रति मानवतावादी दृष्टिकोण के विरुद्ध है।

महाराष्ट्र सरकार द्वारा इस तरह से बच्चों के दिमाग को अनुशासित करना कुछ मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतिपादित इस अवधारणा पर आधारित है कि बच्चों पर सहज प्रेम बरसाने के बजाय उन्हें नियंत्रित, अलग-थलग और प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इस कम उम्र में उन्हें सैन्य प्रशिक्षण में धकेलना अनुशासन के नाम पर उनके दिमाग में बैरक जैसे विचार भरना है।

नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. परम सैनी के अनुसार 'ये विचार 18वीं और 19वीं सदी के सामाजिक मानदंडों से प्रभावित थे जिन्हें अब काफी पुराना माना जायेगा। आधुनिक पालन-पोषण स्नेह, गर्मजोशी, पोषण, सहानुभूति, सकारात्मक सुदृढ़ीकरण, सुरक्षित लगाव आदि को महत्व देता हैऔर इन्हें अब स्वस्थ भावनात्मक और सामाजिक कौशल विकसित करने के लिए आवश्यक माना जाता है।' माता-पिता और परिवार द्वारा इन्हें प्रदान किया जाना चाहिए और स्कूलों में शिक्षकों द्वारा सुदृढ़ किया जाना चाहिए। बच्चों को एक-दूसरे के साथ घुलने-मिलने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। साथियों के साथ खेलना, चर्चा करना, बहस करना हमेशा विकास का एक स्वस्थ संकेत है। यही कारण है कि हम कई बार देखते हैं कि बच्चे एक-दूसरे से झगड़ते हैं लेकिन जल्द ही दोस्त बन जाते हैं।

शिक्षा का उद्देश्य एक ऐसे व्यक्ति का विकास करना है जो तर्कसंगत रूप से सोच सके और घटनाओं का विश्लेषण कर सके। उसे समाज, परिवार और राज्य द्वारा बतायी गयी बातों का पालन करने की आवश्यकता नहीं है। बच्चे का दिमाग खाली होता है और उसे सकारात्मक मूल्यों से भरना होता है। इस छोटी उम्र में सैन्य जैसा अनुशासन लागू करने का विचार ही बच्चों में रचनात्मक विचारों, तर्कसंगत सोच और जिज्ञासा को नष्ट कर देगा। सैन्य कर्मियों द्वारा छोटी उम्र में बच्चों को अनुशासित करने से उनकी रचनात्मकता अवरुद्ध हो जायेगी और वे आज्ञाकारी अधीनस्थ की तरह सोचने लगेंगे।

इस उम्र में कोमल मन कई प्रश्नों से भरा होता है जिनका उत्तर उसके व्यक्तित्व के विकास के लिए दिया जाना चाहिए। बच्चे द्वारा उठाये गये किसी भी प्रश्न को अनदेखा करने से विकासशील मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। चूंकि बच्चे के लिए आस-पास की बहुत सी चीजें या घटनाएं बहुत नयी होती हैं, इसलिए उसे सवाल पूछने और संदेहों को स्पष्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बच्चे को प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित करना, उसका संरक्षण और संवर्धन करना, प्रकृति के उत्पादों के साथ खेलना सिखाना चाहिए। जिज्ञासा को शांत करना और तर्कसंगत विश्लेषणात्मक सोच विकसित करना माता-पिता और शिक्षकों का कर्तव्य है। स्कूली छात्रों के प्रारंभिक वर्षों के लिए दुनिया भर में कई शिक्षा कार्यक्रम पहले से ही तैयार किये गये हैं।

> मनोचिकित्सक डॉ. एस के प्रभाकर ने कहा कि अनुशासन को लागू नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि आर्थिक स्थिति, जाति, पंथ, लिंग और शैक्षिक स्थिति के बावजूद दूसरों के प्रति प्रेम और सम्मान के विचारों के माध्यम से उन्हें विकसित किया जाना चाहिए। सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करना जो बहादुर सैनिक हैं, लेकिन बच्चों को शिक्षित करने के तरीके के बारे में बहुत कम जानते है।

मनोचिकित्सक डॉ. एस के प्रभाकर ने कहा कि अनुशासन को लागू नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि आर्थिक स्थिति, जाति, पंथ, लिंग और शैक्षिक स्थिति के बावजूद दूसरों के प्रति प्रेम और सम्मान के विचारों के माध्यम से उन्हें विकसित किया जाना चाहिए। सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करना जो बहादुर सैनिक हैं, लेकिन बच्चों को शिक्षित करने के तरीके के बारे में बहुत कम जानते हैं, बच्चे के व्यवहार के लिए जोखिम भरा होगा। बच्चे कल्पनाओं और एक काल्पनिक दुनिया में रहते हैं। धीरे-धीरे वे वास्तविक दुनिया के मामलों के बारे में सीखते हैं। सैन्य प्रशिक्षण के तहत वे काल्पनिक दुश्मन के विचारों के साथ रहते हैं और कैसे उन्हें पराजित करें या मारें इसकी योजना बनाते हैं। ऐसे बच्चे अपने साथियों के प्रति भी हिंसक चरित्र विकसित कर सकते हैं।

कुछ दशक पहले बच्चे जानवरों, पेड़ों, पहाड़ों आदि जैसे प्रकृति पर आधारित खिलौनों से खेलते थे। पुराने खेल बच्चों को बंदूक संस्कृति से दूर रखती थीं। परन्तु आजकल के खिलौने, यहां तक कि होली खेलने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंग भी बंदूक की तरह काम करते हैं। वीडियो गेम जिसमें बच्चे गोली चलाना और मारना सीखते हैं, खतरनाक भूमिका निभा रहे हैं। इससे समाज में हिंसा में वृद्धि हुई है। अमेरिका में जहां बंदूकें खुलेआम उपलब्ध हैं, वहां स्कूली बच्चों द्वारा गोली चलाने के कई मामले देखने को मिलते हैं।

शिक्षा का उद्देश्य बच्चे को मौलिक विचार, तर्क, विवेक और अवलोकन विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस तरह बच्चा अपना व्यक्तित्व विकसित करता है। कम उम्र में सैन्य प्रशिक्षण इन सब में बाधा डालेगा। हालांकि यह शासक वर्ग के उद्देश्य को पूरा कर सकता है ताकि बच्चे में घृणा, हिंसा और बदले की भावना से भरा एक विशिष्ट मन विकसित हो सके। हमारे वर्तमान समाज में जहां पहले से ही सांप्रदायिक घृणा, जाति और लिंग पूर्वाग्रह को हाल के वर्षों में बढ़ावा दिया गया है, बच्चे की ऐसी मानसिकता सामाजिक सद्भाव को और खराब करेगी। दुनिया भर में चल रहे युद्धों के संदर्भ में बच्चों में प्रेम, देखभाल, सहानुभूति और सामूहिकता के विचारों को विकसित करना और भी महत्वपूर्ण है।

प्रकृति का पर्यावरण

■ संदीप जोशी

जनता सत्ता के राष्ट्रवाद में सराबोर है, लेकिन क्या वह उतना ही समाज में किए जाने वाले रचनात्मक कार्यों के प्रति भी सजग है? समाज ने अपने रचनात्मक कार्य भी सत्ता के भरोसे छोड़ दिए हैं। आज हमारा धर्म, हमारा व्यवहार व व्यापार और हमारे पर्यावरण तक को सत्ता ही परिभाषित कर रही है। यहां तक कि हम अपने हर विचार व व्यवहार के लिए सत्तानीति पर आश्रित हैं। 'डबल इंजन' सरकार का सिंगल अजेंडा यही है कि सत्ता कायम कैसे रखी जाए। क्यों हर साल एक बार 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाकर साल भर प्रकृति के साथ सहजीवन का तिरस्कार होता रहता है?

इस साल भी यही हुआ। समाज में विकास की तेज रफ्तार के लिए जनता द्वारा किए जाने वाले रचनात्मक कार्यक्रमों को फिर भुलाया गया। सत्ता तेज रफ्तार के विकास का स्वांग तो जनता को भरमाने या हैरान करने के लिए रचती है। आज हर तरफ मंडराते युद्ध के कारण जो जीवन, धन व वन का क्षय हो रहा है उसमें सत्ता के कुछ सिरफिरों के लिए हमारा पर्यावरण नगण्य हो गया है और हमने भी पर्यावरण के प्रति अपने उत्तरदायित्व को भुला दिया है। हम भी तेज विकास की रफ्तार में अपनी गाड़ी को दौड़ाते हुए पर्यावरण की अनदेखी और उत्तरदायित्व की नासमझी कर रहे हैं। उसे ही विकास मान रहे हैं। जो भी हमारे इस तेज रफ्तार विकास के आड़े आ रहा है उसको हम जलवायु परिवर्तन के बहाने से छुपाने, ढांकने में लगे हैं।

खबर आई कि हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय पर्यटन स्थल कसौल के जंगलों में पर्यटन से उपजा, आसपास के कई सौ होटलों का कचरा जंगल के मुहाने पर डाला जा रहा था। सवाल उठे तो उस कचरे को कई ट्रकों में भरकर संरक्षित जंगल के और अंदर बेशर्मी से ले जाकर छुपाया गया। उस पर मिट्टी डाल दी गयी। शहरों में तो ऐसे कचरे के पहाड़ बन ही रहे हैं, मगर अब पहाड़ों में भी कचरे के शहर बनने की शुरुआत हो गयी है। सुविधा संपन्न सत्ता ऐसे ही विकास के नाम पर समाज को ठगती व लूटती है। हम आज इतना कचरा पैदा कर रहे हैं जितना सहेज नहीं सकते। कचरा हम कर रहे हैं और उसको सहेजने का जिम्मा दूसरों पर डाल रहे हैं। क्या सत्ता के लिए पर्यटन ही एक मात्र विकास का पैमाना हो गया है?

हमारे शहरों को 'ड्रीम सिटी' बनाने का सपना दिखाया गया। भारत में ही लंदन, पेरिस, न्यूयॉर्क व सिंगापुर बनाने का वादा किया गया। इसके लिए हर बड़े शहर के मुहाने पर कचरे के पहाड़ खड़े कर दिए गए। मानें या न मानें, सपनों के शहर की आकांक्षा में हमारे पर्यावरण का संकट हमने ही रचा है। हमारे द्वारा किए गए कचरे से हमारी सेवा करने वाले हमारे लिए नए पहाड़ बना रहे हैं। हम उन पहाड़ों को अनदेखा कर, छोड़कर हिमाचल, उत्तराखंड, कश्मीर व अन्य जगहों के पहाड़ों पर पर्यटन करने जा रहे हैं।

हम एक तरफ अपनी नदियों में औद्योगिक कचरा जाने दे रहे हैं और दूसरी तरफ, पहाड़ों की नदियों का सौंदर्य भोगना चाहते हैं। वहां के तालाब, ताल व झरने देखने जाते हैं और अपने यहां इन्हीं में कचरा भरने व इन पर मॉल बनने दे रहे हैं। सत्ता ने भी इन्हीं दूरदराज के स्थानों को पर्यटन के पैसे व आय से देखना शुरू कर दिया है। आज प्रतिवर्ष 6.2 करोड़ टन कचरा पैदा करते हैं जिसमें से मुश्किल से 20 प्रतिशत को ही वैज्ञानिक तरीके से सहेजा जा रहा है। इसी तेज रफ्तार विकास के सपने के कारण हम अपनी समस्याओं को जलवायु परिवर्तन के बहाने से छुपाते हैं।

सृष्टि के इतिहास में ऐसा कोई समय दर्ज नहीं है जब जलवायु परिवर्तन नहीं हो रहा हो या न हुआ हो। परिवर्तन ही सृष्टि की परंपरा रही है। आज बस उसकी गति हमारी लालसा के कारण तेज हो गयी है। यही तेज रफ्तार लालसा या आकांक्षा सृष्टि के हर पहलू को प्रभावित कर रही है। सांस लेने वाली हवा से लेकर बदलते मौसम तक को हम देख रहे हैं, मगर क्या समझ भी पा रहे हैं? सबसे पहले महात्मा गांधी ने ही आगाह किया था, 'धरती पर सभी की जरूरत के लिए पर्याप्त है, मगर एक के भी लालच के लिए कम है।' क्या इस विचार पर 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनता है?

वर्षों पहले प्रकृति के प्रति संवेदना व आभार प्रकट करने का यह धार्मिक मंत्र मन में चलता व बना रहा है। 'अगर हम ऐसे जीते हैं कि हमारे जीने के मायने हैं और उससे कोई अहित नहीं हो रहा, तो कोई चिंता की बात नहीं, लेकिन अगर हम ऐसे जीते हैं कि हमारे जीने के कोई मायने नहीं हैं और अहित भी हो रहा है, तो निश्चित रूप से समाज में डर और गहन चिंतन होना ही चाहिए। गांधीजी के लिए आजादी का आंदोलन यह मायने भी रखता था कि अहिंसा और सत्य के रास्ते राष्ट्र की सबसे छोटी इकाई को सम्मान के साथ ऊपर उठाते हुए विकास करना। समभाव के समाज के लिए व्यक्ति का वैचारिक, व्यवहारिक विकास करना। सत्ता को समाज के लिए और अधिक सार्थक बनाना।

> हमारे शहरों को 'ड्रीम सिटी' बनाने का सपना दिखाया गया। भारत में ही लंदन, पेरिस, न्यूयॉर्क व सिंगापुर बनाने का वादा किया गया। इसके लिए हर बड़े शहर के मुहाने पर कचरे के पहाड़ खड़े कर दिए गए। मानें या न मानें, सपनों के शहर की आकांक्षा में हमारे पर्यावरण का संकट हमने ही रचा है। हमारे द्वारा किए गए कचरे से हमारी सेवा करने वाले हमारे लिए नए पहाड़ बना रहे हैं।

एक छोटी किताब - 'रचनात्मक कार्यक्रम : उसका रहस्य और स्थान' - भी सेवाग्राम से बारडोली तक की रेलयात्रा में गांधीजी ने लिखी। काशीनाथ त्रिवेदी द्वारा किया गया इसका अनुवाद पहली बार सन् 1941 में छपा। स्वतंत्रता आती दिख रही थी इसलिए ये कांग्रेस की सत्तानीति के लिए और स्वतंत्रता के आंदोलन में लगे लोगों के लिए अपील थी। उस किताब में समाज कार्य के अठारह मूल विचार थे। 1. सांप्रदायिक एकता, 2. अस्पृश्यता निवारण, 3. निषेध, 4. खादी, 5. ग्रामोद्योग, 6. ग्राम स्वच्छता, 7. बुनियादी शिक्षा, 8. वयस्क शिक्षा, 9. महिलाएं, (10) स्वास्थ्य और सफाई का ज्ञान, 11. प्रांतीय भाषाएं, 12. राष्ट्रीय भाषा, 13. आर्थिक असमानता, 14. किसान, 15. मजदूर, 16. आदिवासी, 17. कुष्ठ रोगी और 18. छात्र।

सत्ता के करने के लिए और समाज की सेवा से जुड़े ये रचनात्मक कार्यक्रम गांधीजी ने नए स्वतंत्र भारत के विकास की रूपरेखा के तौर पर गढ़े थे। ये वो कार्यक्रम हैं जो समाज का हर व्यक्ति अपने स्तर पर, कहीं भी रहते हुए कर सकता है। आज कांग्रेस अपने अहिंसक आंदोलन की विरासत को और गांधी को भूल गयी है। भाजपा अपने विकास का इतिहास रचने के चक्कर में गांधी को भुला देना चाहती है। सभी को गांधी सिर्फ चुनावी वादों में याद आते हैं। जनता ही है जो अपने गांधी को सत्ता से पूछे जाने वाले सवालों के लिए अपनी अहिंसक लाठी बना सकती है। आजादी के 78 साल बाद भी इन्हीं रचनात्मक कार्यक्रमों में लगकर अपन विश्वगुरु भी बन सकते हैं। इन्हीं से अपना पर्यावरण संरक्षित रहकर संवर भी सकता है। सत्ता के राष्ट्रवाद में यही जनता का रचनात्मक धर्म होगा।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।)

आपके पत्र

भारतीय अंतरिक्ष यात्री ने दुनिया में देश का नाम किया रोशन

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन शुभांशु शुक्ला की उड़ान ने भारत का सीना चौड़ा कर दिया है। यह भारत के स्वाभिमान की यात्रा है। जो 41 साल बाद अंतरिक्ष में तिरंगा लहराया जा रहा है। देश के 140 करोड़ जनता के गौरव की बात है। भारत पिछले सालों से लगातार कामयाबी की चौखट चूम रहा है। सफलता कदम चूम रही है। यह हौसलों की उड़ान है। भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा के बाद शुभांशु शुक्ला दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री बने है।शुभांशु शुक्ला के परिवार को बधाई और शुभकामनाएं दी जा रही है। यह छोटी कामयाबी नहीं है। अथक मेहनत के बाद यह स्थान प्राप्त करने के लिए शुक्ला ने रात-दिन एक किया है। यह देशवासियों की कामयाबी है,जो सपने संजोए रहते हैं और आखिरकार सपने सफल भी होते दिखाई दे रहे है। ऐक्सिओम के चार अंतरिक्ष यात्रियों ने उड़ान भरी है। अंतरिक्ष यात्री पूर्व मिशन ऐक्सिओम का हिस्सा है। यह पल रोमांचित करने वाला है जिस स्कूल में शुभांशु शुक्ला ने प्राथमिक शिक्षा ग्रहण की,लखनऊ के उसी स्कूल से अपने अभिभावकों से आशीर्वाद ग्रहण किया। ऐतिहासिक उड़ान के गवाह बने शुक्ला ने लखनऊ का नाम ही रोशन नहीं किया है। पूरे भारतवर्ष का नाम देदीप्यमान किया है। जिसके लिए फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस से उड़ान भरी है। अपने पुत्र को अंतरिक्ष यात्रा के लिए रवाना कर मां के आंसू नहीं थम रहे। शुभांशु शुक्ला ने गांव ,स्कूल माता-पिता और अपने शिक्षकगण को भी गौरव प्रदान किया है। जिसकी उनको कभी कल्पना भी नहीं थी। एमटेक की डिग्री प्राप्त शुभांशु शुक्ला 2006 में भारतीय वायुसेना का हिस्सा बने थे। आज पूरी दुनिया में इनका नाम जुबान पर है। भारत के गौरवशाली अतीत का वो सपना आज साकार होता दिखाई दे रहा है।

- कांतिलाल मांडोत, सूरत

ललित सुरजन की कलम से

कोयला घोटाला : कुछ प्रश्न

'एनडीटीवी पर भले ही मध्यावधि चुनाव के लिए जनमत सर्वेक्षण का प्रपंच रच रहा हो, हमें नहीं लगता कि भाजपा सहित कोई भी पार्टी और कोई भी लोकसभा सदस्य मध्यावधि चुनाव के लिए उत्सुक या तैयार हैं। भाजपा के सामने यह दुविधा भी है कि 2014 में उसकी ओर से प्रधानमंत्री पद का दावेदार कौन होगा? भारत का कारपोरेट जगत शायद नरेन्द्र मोदी को आगे लाना चाहेगा, संघ परिवार की पहली पसंद शायद नितिन गडकरी होंगे, लेकिन फिर आडवानी जी का क्या होगा? क्या नरेन्द्र मोदी उन्हें गांधीनगर से जीतने देंगे? भाजपा ही नहीं, अन्य दलों में भी एक असमंजस की स्थिति उभरेगी। एनडीए के संयोजक और गंभीर संसदवेत्ता शरद यादव क्या नीतीश कुमार के लिए अपना दावा छोड़ देंगे? क्या मुलायम सिंह चुपचाप बैठेंगे? ऐसे बहुत से प्रश्न हैं, लेकिन फिलहाल इतना कहकर बात खत्म करना होगी कि कांग्रेस के पास स्पष्ट बहुमत का अभाव, वाणिज्यिक घरानों की राजनीति में निरंतर बढ़ती दिलचस्पी और अनियंत्रित पूंजीवादी नीतियों के चलते ही यह अवांछनीय और अस्वस्थ वातावरण निर्मित हुआ है।'

(देशबन्धु में 6 सितम्बर 2012 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2012/09/blog-post.html

पावन प्रसंग

नशा नाश की जड़ है

नशा करने की आदत यद्यपि प्राचीन काल से समाज में चली आ रही है, पर उसका कारण सदैव अज्ञान और मानसिक दुर्बलता रहा है। नशा कैसा भी हो शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। अधिक दिनों तक तंबाकू का सेवन करने से या शराब का प्रयोग अधिक बढ़ जाने से मनुष्य की मानसिक शक्ति को भी बहुत हानि पहुंचती है। मनुष्य का चरित्र दृढ़ता, धैर्य, साहस आदि बहुत कुछ मनोबल पर निर्भर होता है। जब उनकी कोमलता और लचक कम पड़ जाती है, तो इसका कुप्रभाव मनुष्य की मेधा, बुद्धि, प्रतिभा पर पड़ता है और उसका स्वभाव दूषित होता जाता है। शास्त्रों में प्रत्येक नशे को तमोगुण का वृद्धिकर्ता और पाप का उत्पादक बतलाया है। उसका कारण यही है कि नशे के प्रभाव से मन की हीन प्रवृत्तियां जोर पकड़ती हैं और मनुष्य अधर्म की तरफ झुकने लगता है। वासना की अधिकता के साथ ही उसका क्रोध भड़कने लगता है और दया, कोमलता, करुणा की वृत्तियां क्षीण होने लगती हैं।

इस प्रकार नशेबाज लोगों का स्वभाव ऐसा रूखा और स्वार्थी हो जाता है कि अनेक बार वे छोटे-मोटे कारणों पर मरने-मारने को उतारू हो जाते हैं। समाचारपत्रों में प्राय: ऐसी घटनाएं पढ़ने में आया करती हैं कि नशे के वशीभूत आत्मिक दंड आत्मा की अवनति है। शारीरिक दंड, होकर लोगों ने अपने स्त्री-बच्चों की ही हत्या कर डाली या किसी जान-पहचान वाले से जरा-सी बात पर बिगड़कर खून-खच्चर कर बैठे। इस तरह नशा मनुष्य को मानवीय गुणों से गिराकर एक हिंसक पशु के समकक्ष पहुंचा देता है। उससे किसी की भलाई या समाज के हित की कोई आशा नहीं रहती। अपने व्यसन की पूर्ति के लिए वह बुरे-से-बुरा काम करने में भी संकोच नहीं करता।

नशा से होने वाले नैतिक, चारित्रिक, मानसिक पतन को दृष्टिगत रखकर धर्मशास्त्रों ने भी उनकी बड़ी निंदा की है और जगह-जगह यही कहा है कि नशा करना एक बड़ा दुष्कर्म है, जिसके फल से मनुष्य को अवश्य ही नरक जाना पड़ता है। कहा गया है कि यदि भूल से, धोखे से मदिरा पी ली जाए तो उसका प्रायश्चित करने से मनुष्य शुद्ध हो सकता है, पर जो जान-बूझकर उसका उपयोग करता है, उसका प्रायश्चित प्राणत्याग के सिवाय और कुछ नहीं है।

जब हम शास्त्रों के इन वचनों को पढ़ते हैं और उसके साथ ही हिंदू समाज में धर्म के नाम पर जीवन-निर्वाह करने वाले कुछ 'साधु' और 'बाबा' नामधारी व्यक्तियों के आचरणों को देखते हैं, तो हमारे आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहता। शास्त्र जिस चीज को पाप का मूल बतलाकर रोकते हैं, उसी काम को ये धर्म के रक्षक बनने वाले कुछ बाबाजी खुल्लम-खुल्ला करते हैं। वे स्वयं ही ऐसा नहीं करते, वरन उनके पास जो गृहस्थ, युवक, प्रौढ़ व्यक्ति आते है, उनको भी नशा की प्रेरणा देते हैं। वे नशे को भी धर्म का एक अंग बताकर सीधे-साधे लोगों में उसका प्रचार करते हैं। ऐसे लोगों के यहां प्राय: गांजा का दम लगा करती है और सर्वसाधारण को इसकी लत वहीं से लगती है। जहां तक हो सके किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए।

-युग निर्माण योजना

खेल जगत

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी क्लब अल-नासर के साथ किया नया करार

लिस्बन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी क्लब अल-नासर के साथ दो साल का नया करार किया है जिसके बाद वह अपने 42वें जन्मदिन के बाद तक सऊदी प्रो लीग क्लब के साथ बने रहेंगे। पुर्तगाल के 40 वर्षीय कप्तान मैनचेस्टर यूनाइटेड को खराब परिस्थितियों में छोड़ने के बाद दिसंबर 2022 में रियाद स्थित टीम में शामिल हुए थे। उनका पिछला अल-नासर करार जून के अंत में समाप्त होने वाला था। एक्स पर एक पोस्ट में, रोनाल्डो ने लिखा एक नया अध्याय शुरू होता है। वही जुनून, वही सपना। आइए साथ मिलकर इतिहास बनाएं।

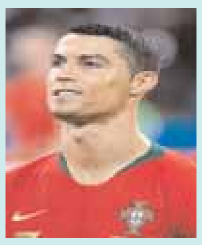

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया

■ भारत की जू टीम के लिए रोहित व अजित यादव ने दागा एक एक गोल

नई दिल्ली, 26 जून (देशबन्धु)। रोहित और अजित यादव के एक एक गोल से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने पिछड़ने के बाद वापसी कर ऑस्ट्रेलिया की जूनियर हॉकी टीम को बर्लिन में चार देशों के अंडर 21 पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में 2-1 से हराकर तीसरा स्थान पाया। टॉबी मालोन ने तीसरे क्वॉर्टर में गोल कर ऑस्ट्रेलिया की जूनियर हॉकी टीम का खाता खोला। रोहित (45 वें मिनट) और अजित यादव (52 वें मिनट) तीसरे और चौथे व अंतिम क्वॉर्टर में गोल कर भारत की जूनियर टीम को जीत दिला दी। शुरू के दो क्वॉर्टर में भारत और ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के बीच जोरदार संघर्ष देखने को मिला लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। भारत की जूनियर टीम ने अपनी दोनों जीत ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के खिलाफ हासिल की। दोनों ही टीमें मजबूत रक्षात्मक और अनुशासित खेल दिखाया और इसीलिए शुरू के दो क्वॉर्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के कप्तान टॉबी मालोन ने तीसरा क्वॉर्टर खत्म होन से पांच मिनट पहले मैदानी गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। ड्रैग फ्लिकर रोहित ने तीसरा क्वॉर्टर खत्म होने से ठीक पहले पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक से गोल कर भारत की जूनियर टीम को एक एक की बराबरी दिला दी। अजित यादव ने चौथे व अंतिम क्वॉर्टर के अधबीच बढ़िया मैदानी गोल कर भारत की जूनियर टीम को 2-1 से आगे कर दिया और उनका यह गोल विजयदाई साबित हुआ। भारत की जूनियर टीम ने चार देशों के इस टूर्नामेंट में पूल चरण में अपना अभियान मेजबान जर्मनी की जूनियर टीम के हाथों 1-7 से हार से शुरू किया और फिर ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम को 3-1 से हराया लेकिन स्पेन की जूनियर टीम से 1-5 से हार गई।

एफआईएच जू.पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 का ड्रॉ 28 जून को निकाला जाएगा

■ भारत चौथी बार करेगा जू.पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी

■ 14 वें संस्करण में सबसे ज्यादा 24 टीमें शिरकत करेंगी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 26 जून (देशबन्धु)। भारत में इस साल के आखिर में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नै और मदुरे में होने वाले 14 वें एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप तमिलनाडु 2025 का ड्रॉ 28 जून शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय हॉकी संघ (एफआईएच) के लुसाने (स्विटजरलैंड) स्थित मुख्यालय में निकाला जाएगा। यह घोषणा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी संघ (एफआईएच) ने बुधवार रात की। पहले यह ड्रा 24 जून को निकाला जाना था लेकिन टल गया था। आमतौर पर किसी भी एफआईएच हॉकी विश्व कप का ड्रॉ इसकी मेजबानी करने वाले देश में निकाला जाता है। एफआईएच के मौजूदा अध्यक्ष तेयब इकराम मूलतः पाकिस्तान है लेकिन अब मकाउ की नागरिकता ले चुके हैं। पहलगाम में आतंकी घटना के बाद भारत ने पाकिस्तान से अपने सभी राजनीतिक और राजनयिक रिश्ते तोड़ दिए और इसीलिए भारत नहीं चाहता था कि तैयब इकराम भारत आए। पहली बार जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में 24 टीमें शिरकत करेंगी, जो कि पिछले संस्करण से आठ ज्यादा हैं और इसमें आने वाले समय के नए सितारों को अपनी चमक दिखाने का मौका मिलेगा। अब तक हुए 13 संस्करणों में मौजूदा चैंपियन जर्मनी (तीन बार पश्चिम जर्मनी और चार बार जर्मनी) ने सबसे ज्यादा सात बार जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप जीता है जबकि भारत (2001 में होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया) में अर्जेंटीना को फाइनल में 6-1 से तथा 2016 में अपने घर लखनउ में बेल्जियम को फाइनल में 2-1 से हरा कर दो बार खिताब जीता। अर्जेंटीना ने भी दो बार खिताब जीता तथा पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया ने एक एक बार चैंपियन बनने का गौरव पाया। भारत ने अब तक 2013 में नई दिल्ली में, 2016 मे लखनउ में और 2021 में भुवनेश्वर मे लगाता तीन बार जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी और इकलौती ऐसी टीम जिसने अपने घर मं 2016 में खिताब जीतने का गौरव पाया। भारत चौथी बार एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा। मेजबान भारत (पूल बी) सहित सीधी वरीयता प्राप्त छह टीमों जर्मनी (पूल ए), अर्जेंटीना (पूल सी),स्पेन (पूल डी), नीदरलैंड (पूल ई) और फ्रांस (पूल एफ) के पूल घोषित कर दिए गए हैं। हर पूल में एक वरीयता प्राप्त टीम के साथ हर तीनों पॉट से एक एक टीम होगी और इसका फैसला इसके ड्रॉ से होगा। बाकी 18 टीमें को छह छह टीमों के तीन पाट -पॉट 1, पॉट 2 और पॉट 3- में बांटा गया है।

पॉट 1 : बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, द अफ्रीका, मलयेशिया व न्यूजीलैंड।
पॉट 2 : द कोरिया, कनाडा, मिस्र, इंग्लैंड, जापान व चिली।
पॉट 3 : ऑस्ट्रिया, बांग्लादेश, आयरलेंड, स्विटजरलेंड, चीन व नामिबिया।
सभी छह पूल : ए, बी, सी , डी, ई व एफ में चार चार टीमें होंगी।

ईशा, विदर्सा और पार्थ राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में जीते

देहरादून, 26 जून (एजेंसियां)। ओलंपियन और मौजूदा मिक्स्ड टीम पिस्टल वर्ल्ड चैंपियन ईशा सिंह ने ग्रुप ए राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए चल रहे राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स 3 और 4 के तीसरे दिन जीत हासिल की। यह ट्रायल्स उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित त्रिशूल शूटिंग रेंज में आयोजित हो रहे हैं। ईशा ने जहां तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टी3 स्पर्धा में जीत दर्ज की, वहीं केरल की विदर्सा विनोद ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) टी4 का खिताब अपने नाम किया और महाराष्ट्र के पार्थ राकेश माने ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टी4 स्पर्धा में जीत हासिल की। यह दिन भारत के बेहतरीन राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के बीच कड़े मुकाबले से भरपूर रहा। ईशा ने क्वालिफिकेशन में 580 का स्कोर करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया था, लेकिन फाइनल के अंतिम चरणों में उन्होंने अपना दमखम दिखाते हुए महाराष्ट्र की अभिध्न्या अशोक पाटिल को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। तमिलनाडु की निवेदिता नायर तीसरे स्थान पर रहीं। क्वालिफिकेशन में 585 का शानदार स्कोर करके टॉप करने वाली अभिध्न्या, फाइनल की सातवीं सीरीज तक पहुंची ईशा से दो अंक आगे थीं, लेकिन ईशा ने अंतिम दो सीरीज में एकदम परफेक्ट प्रदर्शन करते हुए पहले पांच हिट और फिर चार हिट दर्ज किए और कुल 41 अंक के साथ विजेता बनीं। अभिध्न्या ने अंतिम तीन सीरीज में कुल 7 अंक बनाए और 36 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि निवेदिता ने नौवीं सीरीज के बाद तीसरे स्थान पर रहते हुए प्रतियोगिता से बाहर हुईं, उनका स्कोर 30 रहा। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टी4 स्पर्धा में अंतरराष्ट्रीय स्तर की तरह क्वालिफिकेशन में आठवां स्थान पाने के लिए 630.6 अंक की आवश्यकता रही। दो बार के ओलंपियन और 3पी विशेषज्ञ ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 633.5 अंकों के साथ टॉप किया, जबकि पार्थ ने 631.9 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

भारत ने इंग्लैंड को दो विकेट से हराया

लंदन, 26 जून (एजेंसियां)। भारत की मिश्रित दिव्यांग टीम ने ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मिश्रित दिव्यांग विटालिटी टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड को आखिरी ओवर में दो विकेट से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। यह अवसर इसलिए भी ऐतिहासिक रहा क्योंकि पहली बार कोई भारतीय दिव्यांग टीम इस मैदान पर खेल रही थी तारीख, मैदान और नतीजा तीनों ने 1983 की यादें ताजा कर दीं, जब कपिल देव की कप्तानी में भारत ने 25 जून को लॉर्ड्स में ही विश्व कप जीता था। जीत के बाद भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) के महासचिव रवि चौहान ने कहा कि, हम अपनी टीम की इस ऐतिहासिक जीत को कपिल देव सर की 1983 की विश्व कप विजेता टीम को समर्पित करते हैं। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों ने भारत के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर दिलीप दोषी के लंदन में निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए काली पट्टियाँ बाँधी थीं। इसके अलावा इस दिन यहां 25 जून को ही विश्व मिश्रित दिव्यांग दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। लॉर्ड्स में यह मुकाबला क्रिकेट डिसएबिलिटी डे का हिस्सा था। सही समय पर शुरू हुए इस मैच के दौरान तेज गेंदबाज विवेक कुमार (3 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट) और कप्तान व बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र शांते (4 ओवर में 8 रन देकर 3 विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने इंग्लैंड को 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 123 रनों पर रोक दिया।

सार संक्षेप

जीत का सूखा खत्म करने उतरेगी जिम्बाब्वे

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के बीच 28 जून से टेस्ट सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। सीरीज का पहला मैच बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला इसी मैदान पर 6-10 जुलाई के बीच खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का खिताब जिताने वाले कप्तान टेंबा बावुमा बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के चलते जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्हें डब्ल्यूटीसी के खिताबी मुकाबले की दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए चोट लगी थी। यह बावुमा की दो साल से भी कम समय में तीसरी हैमस्ट्रिंग चोट है। टेंबा बावुमा की गैर-मौजूदगी में केशव महाराज रेड-बॉल सीरीज के लिए कप्तान की भूमिका निभाएंगे। वहीं, दूसरी ओर जिम्बाब्वे की कप्तानी क्रेग एर्विन के हाथों में है। सीन विलियम्स और ब्लेसिंग मुजरबानी जैसे अनुभवी खिलाड़ी इस टीम में हैं।

वेस्टइंडीज ने दबदबा बनाया मगर ऑस्ट्रेलिया ने की वापसी

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। जेडन सील्स और शमर जोसेफ की घातक गेंदबाजी की मदद से वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट के पहले दिन आस्ट्रेलिया की पहली पारी को 180 रन पर समेट दिया। 1995 के बाद से कैरेबियाई क्षेत्र में आस्ट्रेलिया का सबसे कम पहली पारी का स्कोर है। टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला ऑस्ट्रेलिया के लिये कठिन जान पड़ा जब उसके तीन अहम बल्लेबाज मात्र 22 रन पर पवेलियन लौट गये। हालांकि उस्मान ख्वाजा (56) और ट्रैविस हेड (59) ने 89 रनों की साझेदारी करके पारी को कुछ हद तक संभाला, लेकिन यह वापसी ज़्यादा देर तक नहीं टिक पाई और निचले क्रम के बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढह गयी। जोसेफ ने 43 रन पर चार विकेट झटके जबकि सील्स ने 50 रन पर पांच विकेट हासिल किये। यह उनका तीसरा टेस्ट पांच विकेट लेने का कारनामा है। जोसेफ़ के चार कैच छूटे नहीं होते तो वे और भी कैच पकड़ सकते थे, जिनमें से दो कैच उन्होंने अपनी गेंदबाजी से छोड़े थे।

पाक के खिलाफ तीन टी20 की मेजबानी करेगा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश 20 जुलाई से मीरपुर में तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान की मेजबानी करेगा। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान में इतने ही टी20 मैच खेलने वाले दोनों देश एक बार फिर सबसे छोटे प्रारूप में एक दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे। पाकिस्तान में सीरीज में क्लीन स्वीप के बाद बांग्लादेश आगामी मुकाबले में जीत की राह पर लौटना चाहेगा। जुलाई में होने वाले सभी तीन मैच मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में तैयारी का काम करेगी, क्योंकि अगले साल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप होना है।

जिम्बाब्वे-न्यूजीलैंड के साथ ट्राई सीरीज में ड्यूसेन को दक्षिण अफ्रीका की कमान

■ बर्गर और गेराल्ड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच 14 जुलाई से 'ट्राई सीरीज' की शुरुआत होगी, जिसका फाइनल 26 जुलाई को खेला जाना है। इस सीरीज के लिए रासी वैन डेर ड्यूसेन को दक्षिण अफ्रीकी टीम की कमान सौंपी गई है। दक्षिण अफ्रीकी टीम में कॉर्बिन बॉश, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, रुबिन हरमन और सेनुरन मुथुसामी के रूप में चार ऐसे खिलाड़ी हैं, जो पहली बार टीम में शामिल हुए हैं। तेज गेंदबाज नंद्रे बर्गर और गेराल्ड कोएत्जी भी टी-20 टीम में शामिल होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। बर्गर, 'लम्बर स्ट्रेस फ्रैक्चर' से उबरे हैं। वह सितंबर के बाद पहली बार नेशनल टीम में वापस लौटे हैं। दूसरी ओर, कोएत्जी अब कमर की चोट से पूरी तरह से फिट हैं। उन्होंने नवंबर 2024 में प्रोटियाज के लिए आखिरी मैच खेला था। यह ट्राई सीरीज शुकरी कॉनराड के लिए ऑल-फॉर्मेट हेड कोच के रूप में नियुक्त होने के बाद पहला टी20 असाइनमेंट भी है। 11 जुलाई को हरारे के लिए रवाना होने से पहले, टीम 9-10 जुलाई को प्रिटोरिया के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में एसए-ए के हेड कोच वांडिले ग्वावु के मार्गदर्शन में दो दिवसीय शिविर के लिए एकत्रित होगी। न्यूजीलैंड को रॉब वाल्टर प्रशिक्षित कर रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व व्हाइट-बॉल कोच के रूप में काम किया है। दक्षिण अफ्रीका 14 जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले के साथ इस ट्राई सीरीज की शुरुआत करेगा। इसके बाद टीम 16 जुलाई को न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। दक्षिण अफ्रीकी टीम 20 और 22 जुलाई को क्रमशः जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड को एक बार फिर चुनौती देगी।

रिवर प्लेट पर 2-0 से जीत के साथ ग्रुप-ई में टॉप पर इंटर

सिएटल, 26 जून (एजेंसियां)। फ्रांसेस्को एस्पोसिटो और एलेसेंड्रो बस्टोनी के गोल की मदद से एफसी इंटरनेशनल मिलान फीफा क्लब विश्व कप 2025 के अंतिम-16 में पहुंच चुकी है। इंटर ने गुरुवार को रिवर प्लेट के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज की है। इसी के साथ टीम ग्रुप-ई में शीर्ष पायदान पर पहुंच गई। इंटर ने 26वें मिनट में अपना पहला मौका बनाया, लेकिन इसे भुनाया नहीं जा सका। उसके पास 32वें मिनट पर गोल करने का एक और अच्छा मौका था, लेकिन टीम यह चांस भी चूक गई। रिवर के मजबूत डिफेंस ने ब्रेक तक मुकाबले को गोल रहित बनाए रखा। हाफ-टाइम से ठीक पहले, इंटर के फेडेरिको डिमार्को ने नियर पोस्ट पर एक खतरनाक क्रॉस फायर किया, लेकिन सेंटर-बैक पाउलो डियाज ने एस्पोसिटो को गेंद पर कब्जा जमाने से रोकने के लिए लंजिंग क्लीयरेंस किया। 49वें मिनट में रिवर ने इंटर को खतरे में डाल दिया, लेकिन गोल नसीब नहीं हुआ। इंटर ने इसके बाद दबाव बनाना शुरू किया। इतालवी टीम ने कई मौके बनाए। सबसे शानदार मौका 52वें मिनट में आया, जब डियाज ने हेनरिक मिखितारयान के शॉट को ब्लॉक किया। 55वें मिनट में गोलकीपर फ्रेंको अरमानी ने मार्टिनेज के क्लोज-रेंज प्रयास को नाकाम कर दिया। 65वें मिनट में रिवर की टीम 10 खिलाड़ियों पर सिमट गई थी। इंटर को पहली सफलता 72वें मिनट पर मिली।

तेलंगाना में मुक्केबाजी टूर्नामेंट में लवलीना, निखत करेंगी शिरकत

मुक्केबाज दस भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

तेलंगाना, 26 जून (एजेंसियां)। दो बार की विश्व चैंपियन निखत ज़रीन, ओलंपिक गेम्स टोक्यो 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पूर्व विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो, 27 जून से एक जुलाई तक तेलंगाना के सरूरनगर इंडोर स्टेडियम में खेले जाने वाले एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट में राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली शीर्ष भारतीय महिला मुक्केबाजों में शामिल होंगी।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ और तेलंगाना खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में तेलंगाना मुक्केबाजी महासंघ द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में 15 इकाइयों की मुक्केबाज़ भाग लेंगी, जिसमें आठवीं एलीट महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप की शीर्ष 12 टीमें रेलवे, हरियाणा, अखिल भारतीय पुलिस, सेवाएँ, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और सिक्किम शामिल हैं। इस प्रतियोगिता में विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मनीषा मौन, ओलंपियन प्रीति, विश्व युवा चैंपियन अरुंधति चौधरी और 100 से अधिक अन्य शीर्ष दावेदार शामिल हैं। मुक्केबाज दस भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक में स्वर्ण और रजत पदक विजेता को पटियाला में विशिष्ट राष्ट्रीय शिविर में शामिल होने का अवसर मिलेगा। सभी टीमें अधिकतम 10 मुक्केबाजों को मैदान में उतार सकती हैं, बशर्ते उनका जन्म 1 जनवरी 1985 और 31 दिसंबर 2006 के बीच हुआ हो। चैंपियनशिप विश्व मुक्केबाजी तकनीकी और प्रतियोगिता नियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रत्येक मुकाबले में तीन मिनट के तीन राउंड होंगे, जिनके बीच में एक मिनट का आराम होगा। दस-अंक-अनिवार्य स्कोरिंग प्रणाली का पालन किया जाएगा, जबकि समीक्षा प्रणाली का उपयोग नहीं किया जाएगा। भारत की महिला मुक्केबाजों ने थाईलैंड ओपन 2025 में एक रजत और पांच कांस्य पदक हासिल करते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इस सफलता के आधार पर, बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया अब आगामी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

मुझे और आर्चर को टेस्ट टीम में जगह पाने के लिए अपनी फिटनेस साबित करनी होगी: वुड

■ आर्चर चार साल बाद दूसरे मैच के लिए टेस्ट टीम में शामिल होने को तैयार

लंदन, 26 जून (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज मार्क वुड ने कहा है कि एशेज में जोफ्रा आर्चर के साथ खेलना एक रोमांचक संभावना होगी, हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इंग्लैंड की टेस्ट टीम में जगह पाने का हकदार बनने के लिए दोनों को अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। वुड और आर्चर दोनों ही चोटों से उबरने की कोशिश कर रहे हैं, वुड मार्च में 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान से इंग्लैंड की हार के दौरान लगी घुटने की चोट से उबर रहे हैं। आर्चर चार साल में अपने पहले रेड-बॉल मैच में डरहम के खिलाफ ससेक्स के लिए खेल रहे थे और 2 जुलाई को एजबस्टन में भारत के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे मैच के लिए टेस्ट टीम में शामिल होने को तैयार हैं, वुड ने लीड्स में सीरीज के पहले मैच में रेडियो कमेंट्री ड्यूटी पर रहते हुए कहा था कि उनका लक्ष्य 31 जुलाई से ओवल में शुरू होने वाले पांचवें टेस्ट में फिट होकर खेलना है। मुझे अभी भी उम्मीद है। हम अपनी दौड़ में थोड़ा आगे हैं। वह (आर्चर) अब खेलने के लिए तैयार है, मुझे अभी भी खेलना है और कई अन्य गेंदबाज भी हैं।

दूसरे टेस्ट से पहले आर्चर घरेलू मैच खेलें तो बेहतर: वॉन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट खेलने से पहले लाल गेंद से एक और घरेलू मैच खेलने की सलाह दी है। तेज गेंदबाज आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। आर्चर रविवार से काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स टीम से खेलेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, आर्चर काउंटी मैच में फिट रहे तो दूसरे टेस्ट में उन्हें खिलाया जा सकता है। दूसरा टेस्ट दो जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा। इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने भी भारत-इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले बयान दिया था कि 30 साल के आर्चर फिर से टेस्ट जर्सी पहनने के लिए बेताब हैं। आर्चर चार साल से टेस्ट टीम से बाहर हैं। आर्चर ने इस सप्ताह की शुरुआत में चार साल से अधिक समय के बाद लाल बॉल से अपना पहला मैच खेला। वह चेस्टर-ले-स्ट्रीट में डरहम के खिलाफ चार दिवसीय मैच में ससेक्स के लिए उतरे और अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की झलक दिखाई। आर्चर ने 31 रन बनाए और 18 ओवरों में 32 रन देकर एक विकेट हासिल किया था।

अब शिक्षा के मैदान पर नई पारी की शुरुआत करेंगे रिंकू सिंह

लखनऊ, 26 जून (एजेंसियां)। टीम इंडिया के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह जल्द ही शिक्षा के क्षेत्र में अपनी नयी पारी की शुरुआत कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नीति के तहत खेल विभाग ने रिंकू की बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) के पद पर नियुक्ति का प्रस्ताव शासन को भेजा है जिसे जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद जतायी जा रही है। यूं तो रिंकू ने नौवीं कक्षा तक पढ़ाई की है मगर उन्हे पद के लिये न्यूनतम योग्यता पूरी करने के लिये पर्याप्त समय दिया जा सकता है।

इस संबंध में बेसिक शिक्षा निदेशालय ने पत्र जारी कर रिंकू सिंह से शैक्षणिक दस्तावेज और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने को कहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दो साल पहले अपनी धुआंधार पारी के बाद चर्चा में आये अलीगढ़ के 28 वर्षीय रिंकू सिंह ने 2023 में आयरलैंड के खिलाफ टी20 मैच में भारत के लिये पदार्पण किया था। हाल ही उनकी सगाई जौनपुर में मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज से हुई है।

सार-समाचार

24 घंटे में हुई 07 मिलीमीटर औसत वर्षा

रायसेन, देशबन्धु। जिले में 01 जून 2025 से 26 जून 2025 तक 133.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है जो कि गत वर्ष इसी अवधि में हुई औसत वर्षा से 68 मिलीमीटर अधिक है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून 2025 से 26 जून 2025 तक जिले के वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 117 मिलीमीटर, गैरतगंज में 122.5, बेगमगंज में 206.8, सिलवानी में 170.8, गौहरगंज में 49, बरेली में 98, उदयपुरा में 136, बाड़ी में 140, सुल्तानपुर में 170.3 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 124.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

बीए उत्तीर्ण को भी साक्षात्कार के माध्यम से अन्य विषय में मिलेगा प्रवेश

रायसेन, देशबन्धु। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में उच्च शिक्षा विभाग की श्राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शीर्ष समिति की बैठक हुई।

बैठक में स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों, स्नातक स्तर पर संचालित कृषि पाठ्यक्रम में प्रवेश तथा अपरेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम (AEDP) के संबंध में चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि ऐसे विद्यार्थी जो स्नातक स्तर पर चयनित मुख्य अथवा गौण विषय से इतर किसी अन्य विषय में स्नातकोत्तर करना चाहते हैं तो उनकी पात्रता का निर्धारण राज्य के विश्वविद्यालयों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए पात्र विद्यार्थियों को स्नातक स्तर के प्राप्तांकों के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। यह निर्णय भी लिया गया कि आगामी सत्र से बीएससी एग्रीकल्चर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली PAT परीक्षा, CUET-UG अथवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जा सकेगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन, आयुक्त उच्च शिक्षा श्री निशांत बरबड़े, अध्यक्ष प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति डॉ. रविंद्र कान्हेरे, कुलगुरुगण एवं शीर्ष समिति के सदस्य सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आईटीआई में प्रवेश के लिए आज तक होंगे पंजीयन

छतरपुर, देशबन्धु। शासकीय आईटीआई में सत्र 2025 में प्रशिक्षण के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। जिसमें पंजीयन तिथि को 27 जून तक बढ़ाया गया है। जिससे प्रवेश प्रक्रिया से वंचित आवेदकों को लाभ मिल सके। प्राचार्य शासकीय आईटीआई ने बताया छतरपुर, चंदला, बिजावर, बड़ामलहरा और बक्सवाहा आईटीआई में प्रथम चरण में प्रवेश लेने के लिए पंजीयन शुक्रवार को भी कराएं। उन्होंने बताया संस्थान छतरपुर में स्टेनो हिंदी की 48 सीटें, फिटर की 20, विद्युत 20, डीजल मैकेनिक 24, कारपेंटर 24, कोपा 48, मोटर मैकेनिक 24, वेल्डर की 40 सीटें हैं। इसी तरह चंदला में डीजल मैकेनिक की 20, कोपा 24, फिटर 20, विद्युत 20, वेल्डर 20, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशन की 20 और बक्सवाहा में विद्युतकार की 20, बिजावर में कोपा 20 और बड़ामलहरा में डीजल मैकेनिक की 48, कोपा 48, फिटर 20, वेल्डर 40, मोटर मैकेनिक 24 और विद्युतकार की 20 सीटें रिक्त हैं। इन संस्थानों में शासन द्वारा 35 प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिए सुरक्षित है। बताया गया है शासकीय आईटीआई संस्थान में हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई।

बनखेड़ी मंडी में मूंग की बोली को लेकर किसान-व्यापारी आमने-सामने, खरीदी रही 2 घंटे ठप

पुलिस को बुलाना पड़ा , दोनों पक्षों ने दी शिकायत

बनखेड़ी,देशबन्धु। कृषि उपज मंडी बनखेड़ी में गुरुवार को मूंग की फसल की बोली को लेकर किसान और व्यापारियों के बीच जमकर विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि मंडी में खरीदी को करीब दो घंटे तक रोकना पड़ा। स्थिति को संभालने के लिए मौके पर पुलिस बल को बुलाया गया।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार को अलग-अलग गांवों से बड़ी संख्या में किसान मूंग, गेहूं, चना आदि फसलें लेकर मंडी पहुंचे थे। किसानों ने सेट के नीचे ढेर जमा किए और बोली लगने का इंतजार करने लगे। दोपहर के समय जब व्यापारी मंडी पहुंचे, तो उन्होंने अलग-अलग फसलों पर अलग-अलग दाम की बोली लगाई। इसी दौरान ग्राम डूमर के किसान मनोहर कुशवाहा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि उनकी मूंग की फसल और पास में रखी दूसरी मूंग एक जैसी है, लेकिन व्यापारियों ने उनके ढेर पर 6 हजार रुपये प्रति च्टिल की दर लगाई, जबकि दूसरे किसान को 7 हजार रुपये की बोली दी गई। इस भेदभाव को लेकर किसान नाराज हो गए और देखते ही देखते मामला गरमा गया। विवाद बढ़ने पर मंडी परिसर में करीब दो घंटे तक हंगामा चलता रहा। इस दौरान व्यापारियों ने खरीदी बंद कर दी और मंडी प्रशासन से मांग की कि विवाद करने वाले किसानों पर कार्रवाई की जाए। व्यापारियों का कहना था कि उन्हें जिस माल में जैसा गुणवत्ता दिखेगी, वे उसी हिसाब से रेट लगाएंगे।

घटना की जानकारी मिलते ही बनखेड़ी थाना से एसआई मनमोहन सिंह ठाकुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाइश दी और स्थिति को शांत किया। इसके बाद ही व्यापारियों ने दोबारा खरीदी शुरू की। इस विवाद के बाद मंडी व्यापारियों ने मंडी प्रशासन को लिखित शिकायत दी है, वहीं किसानों ने भी व्यापारी के खिलाफ पुलिस को शिकायत सौंपी है।

इनका कहना

मंडी में विवाद की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। दोनों पक्षों से लिखित शिकायत प्राप्त हुई है। मामले में फिर हाल प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

मनमोहन सिंह ठाकुर, एसआई थाना बनखेड़ी

कुछ किसान गाली-गलौज कर रहे थे, जिससे व्यापारी नाराज हो गए। हमने दोनों पक्षों को समझाया, जिसके बाद बोली प्रक्रिया दोबारा शुरू हो सकी।

कमलेश नागवंशी, मंडी सचिव

बनखेड़ी मंडी में मूंग नहीं खरीदी गई, इस कारण हम अपनी 50 च्टिल मूंग को पिपरिया मंडी ले जाने को मजबूर हुए।ज्ञ

मनोहर कुशवाहा, किसान, ग्राम डूमर

राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप मिलेंगी सुविधाएं

रायसेन, देशबन्धु। जिला अस्पताल में राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराने गुरुवार से तीन दिवसीय असेस्मेंट शुरू हुआ। दिल्ली से आई तीन डॉक्टरों की टीम ने पहले दिन अस्पताल के विभिन्न विभागों, वार्डों में जाकर व्यवस्थाएं देखीं और डॉक्टरों, नर्सों, कर्मचारियों से कई सवाल पूछे। उल्लेखनीय है कि इस असेस्मेंट में 70 प्रतिशत अंक मिलने पर अस्पताल को हर साल प्रति पलंग दस हजार रुपए के मान से राशि मिलेगी। जिससे व्यवस्थाएं सुधारने के साथ संसाधन बढ़ाए जाएंगे।

गुरुवार को सुबह टीम के आने से पहले अस्पताल में व्यवस्थाएं चाक चौबंद की गईं। सभी डॉक्टर सहित स्टॉफ समय पर अस्पताल पहुंच गए थे। टीम के पहुंचते ही असेस्मेंट शुरू किया। इसके लिए विशेष रूप से डॉ. विनोद परमार को तीन दिन के लिए बुलाया गया है, जो लंबे शैक्षणिक अवकाश पर हैं। वे भी नेशनल असेसर हैं। टीम के साथ उन्होंने भ्रमण कर अस्पताल संबंधी सभी जानकारियां टीम को दीं। उनके साथ डॉ. आलोक राय भी थे।

बिना डॉक्टर कैसे सुधरेंगे हालात

खास बात यह है कि जिला अस्पताल में पहले ही बहुत सुविधाएं हैं, लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टरों के अभाव में उनका उपयोग नहीं हो पा रहा है। लगातार डॉक्टरों के तबादले हो रहे हैं, या नौकरी छोडकर जा रहे हैं। बुधवार को ही निश्चेतना विशेषज्ञ और पूर्व सिविल सर्जन डॉ. अनिल ओड का तबादला सिवनी हो गया। अब तक आठ डॉक्टरों के तबादले हो चुके हैं। जिससे अस्पताल की व्यवस्थाएं बिगड़ी हुई हैं।

विद्यार्थी परिषद ने निकाली स्मृति यात्रा

सिलवानी, देशबन्धु। आपातकाल की विभीषिका के 50 वर्ष पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा एक स्मृति यात्रा -'मशाल यात्रा' का आयोजन किया गया। 50 वर्षों पहले भारत देश में एक तानाशाही के चलते देश की सभी जानता को आपातकाल में झोंक दिया गया और एक लाख से अधिक लोगो की जबरन नशबंधी कराई। देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन किया। बिना किसी गलती के लाखों लोगो को जेल में डाल दिया गया था। जिससे देश के लोकतंत्र की खुले आम हत्या कर दी गई थी भाग संयोजक जय यादव ने युवाओं को आपातकाल के बारे में बताया हुए कहा कि क्रूरतापूर्वक आचरण करते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने संविधान की हत्या कर देश में आपातकाल लगा दिया था, जिसके अंतर्गत संपूर्ण बुद्धिजीवीओ जिन्होंने इसके खलिफ़ अबाज उठाई बिना किसी कारण जेल में बंद कर दिया गया, लोकतांत्रिक रूप से आपातकाल का विरोध करने वाले बुद्धिजीवी, छात्रों, पत्रकारों और आम जनता को जेल में अकारण बंद कर दिया गया था। जब जब कॉंग्रेस का इतिहास उठाया जाएगा तब तब आपातकाल को याद किया जाएगा। दिनांक 25 जून को आपातकाल की विभीषिका के काले अध्याय के 50वें वर्ष पूर्ण हुए। भारत के महान लोकतंत्र के संरक्षण व संविधान की रक्षा करते हुए सभी महान विभूतियों को हम सब छात्र याद करते और उन्हें नमन करते है जिन्होंने इसका खुलकर विरोध किया। मशाल यात्रा में सभी परिषद कार्यकर्ता एवं छात्र उपस्थित रहे।

अवैध शराब के खिलाफ ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया गया जनसंवाद अभियान

सिलवानी, देशबन्धु। आदिवासी अंचल में अवैध शराब की रोकथाम को लेकर सिलवानी थाना प्रभारी पुनम सविता द्वारा लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को थाना प्रभारी एवं समस्त पुलिस बल द्वारा आदिवासी क्षेत्र जैथारी प्रतापगढ़ अंतर्गत ग्राम मरेठी में सघन अभियान चलाया गया।

इस दौरान पुलिस ने अवैध शराब बेचने के संदेह में एक कमीशन एजेंट के घर पर तलाशी अभियान चलाया और गाँव में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। ग्राम पंचायत मरेठी में आयोजित जनसंवाद में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, विशेषकर महिलाएं एवं पुरुष, उपस्थित रहे।

जनसंवाद में थाना प्रभारी सविता ने उपस्थित जनसमूह को नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया और बताया कि पुलिस द्वारा अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी हालत में गाँव में शराब नहीं बिकने दी जाएगी।

महिलाओं ने पुलिस अभियान की सराहना की और विश्वास दिलाया कि वे समय-समय पर पुलिस को सूचना देकर सहयोग करेंगी। ग्रामवासियों ने पुलिस को हर संभव सहायता का आश्वासन भी दिया।

थाना प्रभारी द्वारा चलाया गया यह अभियान न केवल कानून व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में एक सकारात्मक संदेश भी गया। पुलिस द्वारा महिलाओं एवं पुरुषों से व्यक्तिगत संवाद कर अवैध शराब के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई, जिससे गाँव के लोगों में जागरूकता बढ़ी है।

इस पहल को स्थानीय जनता से भरपूर समर्थन मिला है और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक प्रभावशाली कदम साबित हो रहा है।

जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर परिवार ने मंगा न्याय

छतरपुर, देशबन्धु। जिले की सटई तहसील के अंतर्गत ग्राम मोतीगढ़ निवासी सत्तू आदिवासी ने गुरुवार को अपने परिवार के साथ जिला मुख्यालय आकर पुलिस अधीक्षक एवं कलेक्टर को आवेदन सौंपा। जिसमें आरोप लगाया गया कि उनकी पुश्तैनी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है।

सत्तू आदिवासी ने बताया उनका परिवार पिछले 50 वर्षों से इस जमीन पर काबिज था। दो वर्ष पूर्व उन्होंने यह जमीन अस्थायी रूप से बटाई पर मुन्नी पाल, उदयभान पाल और पंचू पाल को दी थी। लेकिन अब उक्त लोगों ने पटवारी से मिलीभगत कर उक्त भूमि पर स्थायी कब्जा जमा लिया है और जमीन लौटाने से मना कर रहे हैं। पीड़ित सत्तू आदिवासी ने कहा, जब हमने उनसे अपनी जमीन वापस मांगी तो उन्होंने धमकी दी कि यह अब हमारी जमीन है, यहां दोबारा आए तो जान से मार देंगे। इस घटनाक्रम से भयभीत होकर सत्तू आदिवासी ने जिला प्रशासन से सुरक्षा की मांग करते हुए अपनी जमीन वापस दिलवाने की गुहार लगाई है। परिवार ने यह भी मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि उन्हें न्याय मिल सके।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जमुना के जीवन में आई खुशियां

पीएम आवास, प्रतिमाह खाद्यान्न, आयुष्मान कार्ड सहित कई योजनाओं का मिला लाभ

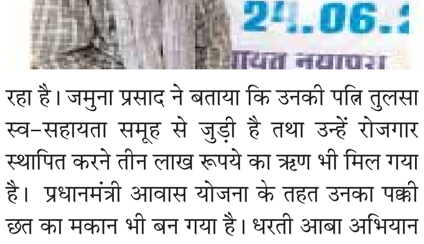

रायसेन, देशबन्धु। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जनजातीय वर्ग के लोगों के पास, उनके घर पहुंचकर शासन की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सेवाओं का लाभ दिया जा रहा है। इन योजनाओं का लाभ पाकर जनजातीय वर्ग के जीवन स्तर में सुधार हुआ है, आर्थिक उन्नति हुई है। जिले के सांची जनपद के ग्राम गोंदरा निवासी जमुना प्रसाद बताते हैं कि धरती आबा अभियान उनके और परिवार के लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। हितग्राही जमुना प्रसाद को धरती आबा अभियान अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, विद्युत कनेक्शन, सम्बल कार्ड, खाद्यान्न पात्रता पर्ची, उज्जवला योजना, सहित अन्य योजनाओं का लाभ मिल रहा है। जमुना प्रसाद ने बताया कि उनकी पत्नि तुलसा स्व-सहायता समूह से जुड़ी है तथा उन्हें रोजगार स्थापित करने तीन लाख रूपये का ऋण भी मिल गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनका पक्की छत का मकान भी बन गया है। धरती आबा अभियान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हुए जमुना प्रसाद बताते है कि अभियान के तहत योजनाओं का लाभ मिलने से उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है तथा वह और उनका परिवार खुशहाल है।

नालियों की सफाई का काम जोरों पर

सिलवानी, देशबन्धु। नगर में बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए, सिलवानी नगर परिषद द्वारा नालियों की सफाई का काम जोरों से किया जा रहा है। इस सफाई अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि बारिश का पानी आसानी से नालियों से निकल जाए और जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। सफाई कर्मचारियों को नालियों में जमा कचरा और गंदगी को हटाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बारिश का पानी बिना किसी रुकावट के बह सके। इस अभियान से नागरिकों को बारिश के दौरान होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। नगर परिषद अध्यक्ष रेशु विभोर नायक ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नगर परिषद आपके लिए हर संभव प्रयास कर रही है। नालियों की सफाई का काम तेजी से चल रहा है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप भी अपने घरों के आसपास सफाई रखें और कचरा नालियों में न फेंके। आपके सहयोग से ही हम सिलवानी को स्वच्छ और सुंदर बना सकते हैं।

धीरेंद्र कृष्ण के जीवन पर न्यूजीलैंड विश्वविद्यालय की टीम ने किया शोध

छतरपुर, देशबन्धु। बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अब तक अपनी कथाओं और जनकल्याण के लिए चर्चा में रहते थे लेकिन अब न्यूजीलैंड में विश्वविद्यालय की टीम द्वारा उनके जीवन पर किए गए शोध कार्य के कारण वे चर्चाओं में हैं।

तीन देशों की यात्रा के दौरान वे पहले आस्ट्रेलिया और फिजी गए, इसके बाद इन दिनों वे न्यूजीलैण्ड में हैं। अब न्यूजीलैंड से कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आईं हैं जो उनके भक्तों का उत्साह बढ़ाने के लिए काफी हैं। दरअसल न्यूजीलैंड के ऑकलैंड शहर में कथा के दौरान बागेश्वर महाराज धीरेंद्र कृष्ण के जीवन और आयोजन पर शोध करने के लिए न्यूजीलैंड के प्रसिद्ध वेलिंगटन के मैसी विश्वविद्यालय की तीन सदस्यीय टीम पहुची।

इस टीम में शोधार्थी ओस्कर मरीशन और उनके दो साथियों ने धीरेंद्र कृष्ण के जीवन पर शोध किया। उन्होंने कैमरे सामने कथा में आए भक्तों से उनके अनुभव पूछे, आयोजन की बारीकियों को समझा और बागेश्वर महाराज का इंटरव्यू लेकर उनके जीवन से जुड़े कई सवाल भी पूंछे।

यह टीम तीन दिन तक उनके साथ रहकर हर छोटी बड़ी घटना को रिपोर्ट करती रही। अंत में सभी शोधकर्ताओं को धीरेंद्र कृष्ण महाराज ने बागेश्वर बालाजी की पट्टिका पहनाकर उन्हें आशीर्वाद दिया।

सांची नगर में स्ट्रीट लाइट के झुके खंभे बनें खतरे की घंटी, प्रशासन बेपरवाह

सांची, देशबन्धु। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची नगर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगे स्ट्रीट लाइट के खंभे इन दिनों दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण दे रहे हैं। सरकार द्वारा नगर की सुंदरता और रोशनी के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर स्ट्रीट लाइट्स और खंभे लगाए गए थे, लेकिन घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग के चलते ये व्यवस्था अब पूरी तरह चरमरा गई है।

नगरवासियों का कहना है कि जब-जब सड़कों पर अंधेरा छाया, तब-तब मरम्मत के नाम पर लाखों की राशि खर्च की गई, लेकिन यह मरम्मत भी टिकाऊ नहीं साबित हुई। वर्तमान में अधिकांश स्ट्रीट लाइट्स बंद पड़ी हैं और खंभे झुके हुए हैं, जो न केवल दृश्यता में बाधा बन रहे हैं, बल्कि राहगीरों और वाहन चालकों की जान के लिए भी खतरा बने हुए हैं। बारिश के चलते स्थिति और भी विकट हो गई है। एक ओर सर्विस रोड पर फैली मिट्टी वाहन चालकों के लिए फिसलन का कारण बन रही है, वहीं दूसरी ओर मुख्य मार्ग पर जमा मिट्टी से हादसे की आशंका और बढ़ गई है। इसके साथ ही स्ट्रीट लाइट के खंभे राष्ट्रीय राजमार्ग की लोहे की रैलिंग के संपर्क में आने से करंट फैलने की भी गंभीर आशंका जताई जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई खंभे इतने कमजोर हैं कि भारी वाहन के पास से गुजरते ही उनकी हवा से ही ये हिलने लगते हैं। बावजूद इसके, न तो राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और न ही स्थानीय प्रशासन ने इस गंभीर समस्या की ओर कोई ध्यान दिया है। स्थिति यह है कि बरसात के दिनों में संभावित हादसों के प्रति प्रशासन पूरी तरह से आंख मूंदे बैठा है।

ऐसा प्रतीत होता है कि जिम्मेदार तंत्र किसी बड़ी अनहोनी की प्रतीक्षा कर रहा है। जबकि ज़मीनी हकीकत यह है कि थोड़ी सी भी लापरवाही किसी जानलेवा हादसे का कारण बन सकती है। जरूरत है कि प्रशासन तत्काल संज्ञान लेकर स्ट्रीट लाइट व्यवस्था की समीक्षा करे और खतरनाक खंभों को हटाकर सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करे।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

ऊचागोहान की मालती बनी महिला पर्यवेक्षक

बैतूल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड भोपाल द्वारा आयोजित महिला पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा में ग्राम पाटाखेड़ा तहसील चिचोली की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मालती ब्रजेश वर्टी का चयन महिला एवं

बाल विकास विभाग मध्यप्रदेश के अंतर्गत महिला पर्यवेक्षक पद पर हुआ है। उन्होंने एसटी वर्ग में पूरे मध्यप्रदेश में 13वीं रैंक प्राप्त की है। मालती ने यह सफलता बिना कोचिंग के, घर पर पढ़ाई कर हासिल की।

मालती ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पति ब्रजेश वर्टी और सास-ससुर के सहयोग को दिया है। उनके पति ब्रजेश वर्टी वर्तमान में सीआरपीएफ में पदस्थ हैं और महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में देश सेवा में लगे हुए हैं। मालती के चयन की खबर मिलते ही पूरे परिवार, रिश्तेदारों और गांव ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

शिआ मस्जिद और इमामबाड़े में मजलिसें शुरू

बैतूल, देशबन्धु। मोहर्रम माह की शुरुआत होते ही टीवी टावर के पास स्थित शिआ मस्जिद एवं जेल के पीछे बने इमामबाड़े में मजलिसों का आयोजन प्रारंभ कर दिया गया है।

इन मजलिसों में प्रयागराज से आए मोहम्मद यासिर रिजवी और बैतूल के मौलाना शेख करीम साहब द्वारा रोजाना कर्बला की जंग में शहीद हुए 72 शहीदों की याद में मजलिसें पढ़ी जाएगी। शिआ मस्जिद में प्रतिदिन शाम 7:30 बजे से मजलिस होगी, वहीं इमामबाड़े में रात 9 बजे से कार्यक्रम शुरू होगा। शिआ समुदाय के मुश्ताक हुसैन रिजवी ने सभी शिआ समुदाय से अपील की है कि वे मजलिसों में शामिल होकर इमाम हुसैन और उनके साथियों की कुर्बानियों को याद करें तथा इस पवित्र अवसर पर शांति और भाईचारे का संदेश दें।

निबंध, चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता संपन्न, विजेता पुरूस्कृत

बैतूल, देशबन्धु। शासकीय महाविद्यालय घोड़ाडोंगरी में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बैतूल के मार्गदर्शन में, नवोदित ग्रामोत्थान महिला एवं बाल विकास समिति एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा सीएमसीएलडीपी के अंतर्गत संचालित बीएस डब्ल्यू, एमएस डब्ल्यू की कक्षा में अंतर्राष्टीय नशा निवारण दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें निबंध, चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता के साथ हस्ताक्षर अभियान और जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूप में प्रो.हेमंत निरापुरे, डॉ.अजय चौबे, प्रो.राकेश सिसोदिया, डॉ.यासमीन, प्रो.मगरदे आदि उपस्थित हुए। सभी अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा की लत व्यक्ति को खत्म करके ही दम लेती है। अंत में युवाओं को नशे से रहने का दिलाया गया। सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया

आयुर्वेद चिकित्सालय टिकारी में स्वर्ण प्राशन आज

बैतूल, देशबन्धु। जिला आयुर्वेद चिकित्सालय टिकारी में 27 जून को पुष्य नक्षत्र के अवसर पर स्वर्ण प्राशन होगा। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने सभी पालकों से कहा वे अपने बच्चों को अस्पताल लाकर स्वर्ण प्राशन के लाभ से उन्हें लाभान्वित करें।

जनपद सदस्य ने जिला पंचायत सीईओ से की शिकायत

कीचड़ भरे मार्ग से स्कूल जाने के लिए मजबूर नौनिहाल

जनप्रतिनिधियों की मांग है कि प्रशासन जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाए

बैतूल, देशबन्धु। जनपद पंचायत क्षेत्र बैतूल के ग्राम मंडई खुर्द में बारिश के चलते स्कूल जाने वाला रास्ता कीचड़ और जलभराव से बुरी तरह प्रभावित हो गया है। इस रास्ते से होकर स्कूली बच्चों और शिक्षकों को रोजाना गुजरना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा सत्र शुरू हो चुका है और बरसात ने रास्ते की हालत और भी दयनीय बना दी है। कीचड़ भरे इस मार्ग से नौनिहालों को स्कूल जाना किसी मुसीबत से कम नहीं है। कई बार गिरने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इस गंभीर स्थिति को लेकर जनपद पंचायत सदस्य धन्नूलाल उइके ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने ज्ञापन में मांग की है कि ग्राम मंडई खुर्द के स्कूल मार्ग की तत्काल मरम्मत कराई जाए ताकि बच्चों की शिक्षा बाधित न हो और उन्हें सुरक्षित रास्ता मिल सके।

जनपद सदस्य ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा पूर्व में भी ग्राम पंचायत को इस समस्या से अवगत कराया गया था, लेकिन आज दिनांक तक कोई समाधान नहीं हो पाया है। अगर जल्द ही सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो बारिश के दिनों में बच्चों का स्कूल जाना और भी जोखिम भरा हो जाएगा। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की मांग है कि प्रशासन जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाए और इस समस्या का स्थायी समाधान करे।

अतिथि शिक्षक ने अपनी मां के 50वें जन्मदिन पर विद्यालय परिसर में लगाए 50 पौधे

विद्यार्थियों ने अपनी मां की याद में किया पौधारोपण

बैतूल, देशबन्धु। जब एक शिक्षक का हृदय मां के प्रति श्रद्धा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता से भर जाता है, तब वह समाज के सामने एक नई मिसाल कायम करता है। प्रभात पट्टन विकासखंड के शासकीय एकीकृत विद्यालय गंगापुर में कार्यरत अतिथि शिक्षक लोकेश कवड़कर ने अपनी मां श्रीमती दीपा कवड़कर के 50वें जन्मदिवस को विशेष बनाने के लिए एक ऐसा कार्य किया, जो लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

अतिथि शिक्षक श्री कवड़कर ने विद्यालय परिसर में 50 पौधे रोपित किए और इस कार्य को और अधिक भावनात्मक बनाने के लिए विद्यालय के प्रत्येक छात्र से उनकी मां के नाम पर एक पौधा लगाने का आग्रह किया। देखते ही देखते यह पहल एक समारोह में बदल गया, जहां हर छात्र ने अपनी मां को याद करते हुए एक पौधा लगाया। इस अवसर पर शिक्षक लोकेश कवड़कर ने कहा कि मां और वृक्ष दोनों ही जीवनदाता हैं। मां हमारे जीवन को आकार देती है और वृक्ष हमें जीवन जीने का आधार देते हैं। विद्यालय के प्राचार्य दिनेश अतकरे, ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती लीला देशुमख, शिक्षका सुरेखा पाटिल, सुरेखा मगरदे, शाला अध्यक्ष विट्ठल आवारे, कैलाश देशमुख एवं ग्रामवासियों ने इस अद्वितीय आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल बच्चों के मन में मां के प्रति आदर भाव और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का बीज बोएगी। शिक्षक कवड़कर की यह सोच निश्चित ही समाज में प्रेरणा का स्रोत बनेगी। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने पौधों की नियमित देखभाल करने और हर साल एक नया पौधा लगाकर इस परंपरा को आगे बढ़ाने की शपथ ली।

विधायक ने भजन मंडलियों को किया सम्मानित

शाहपुर, देशबन्धु। विधायक निवास भौंरा पर गुरुवार को आयोजित एक कार्यक्रम में विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके ने विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न भजन मंडलियों को ढोलक सहित साज सज्जा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर नव ज्योति भजन मंडल रानीपुर, शिव महिला भजन मंडल आमढाना, खुशहाल भजन मंडल घोड़ाडोंगरी सहित कई अन्य भजन मंडलियों ने सम्मान प्राप्त किया। विधायक श्रीमती उईके ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भजन मंडलियों का सम्मान करना उनकी सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के समान है। विधायक ने सभी भजन मंडलियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर भाजपा नेता इंदल यादव, राकेश अरोड़ा, घोड़ाडोंगरी पार्षद राकेश नानकर, अशोक चौरे, आभाश मिश्रा, जनपद सदस्य आमढाना फूलवंती धुर्वे सहित कई वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

गैलेक्सी सिटी कॉलोनाइजर पर प्लाट खरीदारों ने लगाया आरोप

शाहपुर, देशबन्धु। जमीनी मामले में जिले में लगातार धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं। कभी नकली दस्तावेजों के सहारे रजिस्ट्री हो जाती है तो कभी सौदा तय होने और पैसा देने के बाद भी खरीदारों को उनका हक नहीं मिल रहा। अब बैतूल की गैलेक्सी सिटी कॉलोनी में 14 खरीदारों के साथ ऐसा ही मामला उजागर हुआ है। इन सभी ने प्लॉट की बयाना चिट्ठी करवाई, भुगतान भी कर दिया लेकिन कॉलोनाइजर अब रजिस्ट्री से बचते नजर आ रहे हैं।

जाकिर हुसैन वार्ड गर्ग कॉलोनी, ग्राम घाना और चिखलीमाल के रहने वाले खरीदारों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर शिकायत की। शिकायतकर्ताओं में मन्नाशाह पिता मोहब्बत शाह, पवन यादव पिता मोहन यादव, और ज्योति पाटिल पति भूपेंद्र बिहारिया सहित शबाना बी परवीन, मोनू वर्मा, मनोज वर्मा, परवेज बेग, भूपेंद्र बहरिया, वासुदेव गावंडे, दिलीप पाटिल, गोपाल सिंह उइके, अनिल पाटिल, रफीक शाहरुख शाह, रंजीता पाटिल, माया मंडेकर शामिल हैं, जिन्होंने गैलेक्सी सिटी कॉलोनी में प्लॉट खरीदे थे। इन लोगों ने बताया कि मौजा बांसपानी, खसरा नंबर 66/1 और 66/2 की जमीन में से कुल 1000 वर्गफुट के प्लॉट की बयाना चिट्ठी 5 जुलाई 2024 को की गई थी। विक्रेताओं में विजय महस्की पिता मानीकराव महस्की, निवासी ग्राम सेलगांव और शेख कासिम पिता नन्हे, निवासी आजाद वार्ड बैतूल शामिल हैं। भूमि मालिक गणेश वार्ड सिविल लाइन निवासी सुंदरलाल सूर्यवंशी हैं। खरीदारों का आरोप है कि कॉलोनाइजर और विक्रेताओं द्वारा बार-बार बहाने बनाकर रजिस्ट्री नहीं की जा रही। किसी दिन सहखातेदारों का हवाला देकर टाल दिया जाता है तो कभी दस्तावेज अधूरे बताकर। कुछ लोगों ने तो चार साल पहले ही पूरा भुगतान कर दिया था, लेकिन आज तक जमीन उनके नाम नहीं हुई।

सिकलसेल जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित

बैतूल, देशबन्धु। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में सिकलसेल जैसी घातक बीमारी के उन्मूलन एवं रोकथाम की दृष्टि से शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में गुरुवार को जिला चिकित्सालय द्वारा सिकलसेल एनीमिया की जांच, काउंसलिंग एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान सम्पूर्ण रक्त जांच भी की गई।

शिविर में ब्लॉक मेडिकल आफिसर डॉ.केदार जाटव व उनकी टीम ने सीएचओ श्रीमती ममता पंवार, एएनएम श्रीमती पूनम परमार, एमपीडब्ल्यू वासुदेव उघड़े, सेक्टर सुपरवाइजर धर्मराज परमार एवं श्रीराम साहू द्वारा 250 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों की सिकलसेल एनीमिया की प्राथमिक जांच के साथ सभी प्रशिक्षणार्थियों की संपूर्ण रक्त जांच की गई। जिसमें लगभग 45 प्रकार के परीक्षण शामिल है। परीक्षण रिपोर्ट अनुसार संदिग्ध छात्राओं की जांच एवं उपचार किया जाएगा। इस अवसर पर ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ.केदार जाटव द्वारा सिकल सेल बीमारी एनीमिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि यह एक वंशानुगत बीमारी है, जो माता-पिता से जीन के माध्यम से बच्चों मे स्थानांतरित होती है। यह लाल रक्त कोशिकाओं के आकार को प्रभावित करता है, जिससे वे दराती के आकार की हो जाती है, सिकल आकार की कोशिकाएं तेजी से टुटती है, जिससे एनीमिया हो जाता है। क्योकि शरीर उन्हें शीघ्रता से प्रतिस्थापित नहीं कर पाता। उन्होंने बताया कि विवाह पूर्व रक्त कुण्डली मिलान कर इस बीमारी से भावी पीढ़ी को बचाया जा सकता है। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य रेवाशंकर पंडाग्रे, वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी दिलीप कुमार सोनी एवं स्टाफ के अलावा बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी मौजूद रही।

आदेश तहसीलदार बैतूल के निर्देशानुसार जारी किया गया

बैतूल तहसील के स्थानांतरित 23 पटवारी भारमुक्त, अतिरिक्त हल्कों का प्रभार सौंपा

बैतूल, देशबन्धु। तहसीलदार कार्यालय बैतूल ग्रामीण द्वारा 25 जून को 23 पटवारियों के प्रभार में बड़ा फेरबदल किया गया है। यह आदेश तहसीलदार बैतूल के निर्देशानुसार जारी किया गया है, जिसमें तहसील बैतूल ग्रामीण के अंतर्गत कार्यरत पटवारियों को नए क्षेत्र का प्रभार सौंपा गया है।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

इस आदेश के तहत पटवारी अंकित बनाफर को देवगांव से आमला के लिए भारमुक्त कर उनके हल्के का प्रभार मोहन धुर्वे को दिया गया। अनिल वर्मा को 24 महदगांव से भैंसदेही के लिए भारमुक्त कर उनके हल्के का प्रभार योगेश झरबडे को दिया गया। कमलेश ठाकरे को 26 सराड 27 सेलगांव से भारमुक्त कर उनके हल्के का प्रभार इंद्र कुमार बोरबन को दिया गया। केशवकांत कोसे को 67-भरकावाडी से घोडाडोंगरी उनके हल्के का प्रभार श्रीमती लीना धनेश्वरी को दिया गया।दिलीप देशमुख को 45- मलकापुर, 50- बाजपुर से भैंसदेही के लिए भार मुक्त कर उनके हल्के का प्रभार मितेश घानेकर, प्रहलाद वामनकर को 78- रेडवा, 72- सोहागपुर से घोडाडोंगरी उनके हल्के का प्रभार संतोषी प्रजापती, योगेश पारखे 68 - बैतूलबाजार से भैंसदेही उनके हल्के का प्रभार सदाशिव प्रधान, राकेश देशमुख 21- बोदीजुनावानी से भैंसदेही उनके हल्के का प्रभार कमलकिशोर धोटे, राजिक अली 33- बडोरा से चिचोली उनके हल्के का प्रभार राजेन्द्र बेठे, लवप्रीत सोनी 69 आरूल से चिचोली उनके हल्के का प्रभार अवधेश वर्मा, विजय राठौर 30-टेमनी से चिचोली उनके हल्के का प्रभार बबली साहू, विवेक मालवीय 28- डोंडवाडा से चिचोली उनके हल्के का प्रभार प्रकाश म्हस्की, संदीप चौरगढे 51-रोंडा से आमला उनके हल्के का प्रभार साधना श्रीवास्तव, संदीप पवार 38- कुम्हारटेक, 39- बघवाड से आमला उनके हल्के का प्रभार बबलू कुमरे, सचिन उपाध्याय 11- साकादेही से आमला उनके हल्के का प्रभार प्रेमचंद उइके, प्रीति चौहान 15-लापाझिरी से मुलताई उनके हल्के का प्रभार सुशीला सिरसाम, प्रीति लिखितकर 47-भैंसदेही से मुलताई उनके हल्के का प्रभार अजय खातरकर, हुलसी सोलंकी 66- सुरगांव से आठनेर उनके हल्के का प्रभार निधि कोसे, प्रियंका नर्रे को घोडाडोंगरी, प्रीति चढोकार को 64- बघोली से मुलताई उनके हल्के का प्रभार प्रियंका पाटिल,मधुबाला प्रजापति को 79- सेलगांव से मुलताई उनके हलके का प्रभार अर्जुन चौहान, रेखा परते 55- सेहरा, 58- दिवानचारसी से भैंसदेही उनके हलके का प्रभार आलोक खासदेव, अंजली निगम को 46- खण्डारा से चिचोली उनके हलके का प्रभार रूपेश झाड़े को दिया गया है। तहसीलदार बैतूल द्वारा स्पष्ट किया गया है कि उक्त आदेश तत्काल प्रभावशील रहेगा एवं सभी संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी एवं अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

धुनी वाले दादा की रथ यात्रा चिचोली पहुंची, भक्तों ने की अगवानी

जगह-जगह रथ की पूजा अर्चना की

चिचोली, देशबन्धु। खंडवा के धूनी वाले दादा के प्रति अटूट श्रद्धा रखने वाले एक परिवार द्वारा विगत 73 वर्षों से पांढुर्णा से खंडवा तक दादाजी का रथ पैदल लेकर चलते हैं।

बुधवार देर शाम धुनी वाले दादाजी का पैदल रथ यात्रा का चिचोली में नगर प्रवेश हुआ। यात्रा में शामिल दादा जी के भक्तों पर नगर वासीयो ने पुष्प वर्षा कर जोरदार अगवानी की। दादाजी का रथ लेकर चल रहे पैदल यात्रीयों का नगर के सदन आर्य, पप्पू आर्य के निवास पर रात्रि विश्राम हुआ। इस दौरान दादा जी अरती, पुजा और भजन कीर्तन के बाद प्रसादी का आयोजन हुआ गुरुवार को पुरे दिन रथ यात्रा का पूरे नगर में भ्रमण हुआ इस दौरान जगह-जगह भक्तों ने रथ की पूजा अर्चना की। दादाजी धूनीवाले के रथ के साथ चल रहे हैं पांढुर्णा निवासी दादाजी के परम भक्त पियुष अमरकर ने बताया कि 12 जून से पांढुर्णा से दादाजी का रथ लेकर यह पैदल जत्था बुधवार शाम चिचोली पहुंचा लगातार तीसरी पीढ़ी से दादाजी का पैदल रथ लेकर यह जत्था गुरु पूर्णिमा पर खंडवा पहुंचता है, जहां घुनी वाले दादा के मंदिर में निशाना चढ़ा कर पूजा अर्चना की जाती है। वह अपने बुजुर्गों की परंपरा का पालन करते आ रहे हैं। ताप्ती ऑटो पार्टस संचालक भीम आर्य ने बताया कि दादाजी धूनीवाले का रथ यात्रा का लोगो को पूरे वर्ष भर इंतजार रहता है। गुरुवार देर शाम रथ यात्रा खंडवा की ओर रवाना हुआ। इस दौरान पार्षद उमेश पेठे, विशाल सोनी, विवेक सोनी ,बाबा गोस्वामी, कृष्णा सोनी, सुधीर सोनी, महेद्र आर्य सहित बड़ी संख्या मे भक्त मौजुद रहे।

अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर किया कार्यक्रमों का आयोजन

नशा मुक्त राष्ट्र बनाने में सभी दे अपना योगदान: मधु

आठनेर, देशबन्धु। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग बैतूल एवं नवोदित ग्राम उत्थान महिला एवं बाल विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड आठनेर के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड के विभिन्न स्थानों पर किया गया। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय आठनेर में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य शेख शमीम ने उपस्थित छात्र छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है,बल्कि परिवार,समाज और देश की उन्नति में भी बाधा बनती है। युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ने से अपराध, बेरोजगारी और पारिवारिक विघटन जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दे जन्म लेते हैं। वैष्णवी पब्लिक स्कूल आठनेर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता नवांकुर संस्था नगर विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष कैलाश आजाद ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं व समाज को नशे के दुष्परिणामों से जागरूक करना और एक स्वस्थ,नशामुक्त समाज का निर्माण करना है। नशा नाश की जड़ है। अत: स्वयं नशे से दूर रहते हुए नशा मुक्त समाज बनाने हेतु जन जागरण करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सावंगी के सहयोग से शासकीय हाई स्कूल सावंगी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद आठनेर की विकासखंड मधु चौहान ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा कोई समाधान नहीं बल्कि एक विनाश है। नशे से ग्रस्त व्यक्ति धीरे-धीरे आत्म-नियंत्रण खो देता है और उसका जीवन बर्बादी की ओर अग्रसर हो जाता है। हम सभी का दायित्व है कि हम मिलकर इस सामाजिक बुराई के विरुद्ध आवाज़ उठाएं और अपने घर,समाज व राष्ट्र को नशामुक्त बनाने में अपना योगदान दे। कार्यक्रम के दौरान नशामुक्ति संकल्प पत्र सभी से भरवाया गया। चित्रकला,भाषण व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कर विजेताओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। ग्राम सावंगी में नशा मुक्ति जागरण हेतु रैली का निकाली गई। अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक कार्यक्रम में मुख्य रूप से शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में खेल शिक्षक जगदीश वागद्रे,लता धादौड़े, पदमा अडलक, माया वागद्रे, वैष्णवी पब्लिक स्कूल में विद्यालय के डायरेक्टर रविंद्र झाड़े वाणी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य वीरेंद्र अमरूते, राजेश वाडेकर,बाबूलाल बिसंद्रे, शासकीय हाई स्कूल सावंगी विद्यालय प्राचार्य घनश्याम लोखंडे, ब्रह्मप्रकाश तिवारी, सतीश चौहान, सुरेंद्र सूर्यवंशी, धोटे सर, कचरया लोखंडे, नवांकुर संस्था सावंगी के अध्यक्ष दिनेश माकोड़े एवं आशुतोष सिंह चौहान सहित सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटक से दिया नशामुक्ति का संदेश

बैतूल, देशबन्धु। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बैतूल द्वारा अंतरराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद सभागृह, शासकीय जे एच स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिले की प्रमुख शासकीय व अशासकीय संस्थाओं की सहभागिता रही। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की एएनएम और जयगुरुदेव संस्था के युवाओं ने प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। नाटक में नशे के दुष्परिणामों को जीवंत अभिनय के जरिए दिखाया गया, जिसे देखकर दर्शक भावुक हो उठे। नाटक में युवाओं को नशे से दूर रहने और समाज को जागरूक करने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुटुंब न्यायालय बैतूल के प्रधान न्यायाधीश शिवबालक साहू रहे, वहीं वरिष्ठ न्यायाधीश श्रीमति शर्मिला शियावार, विधिक सेवा प्राधिकरण के सोमनाथ राय, सामाजिक न्याय विभाग की उपसंचालक सुश्री रोशनी वर्मा, जेएच कॉलेज से डॉ. सुखदेव डोंगरे एवं प्राध्यापक शंकर सातनकर उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश श्री साहू ने नशे के कारण हो रहे सामाजिक और पारिवारिक विघटन पर चिंता जताई और युवाओं को डिजिटल नशे से भी सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और मोबाइल का अत्यधिक उपयोग भी आज मानसिक नशे का रूप ले चुका है, जिससे दूरी बनाना आवश्यक है।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

टाटा स्टील	2.62 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	2.50 प्रतिशत
भारती एयरटेल	2.48 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	2.46 प्रतिशत
इटरनल	2.45 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

ट्रेंट	0.40 प्रतिशत
एसबीआई	0.39 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	0.39 प्रतिशत
मारुति	0.36 प्रतिशत
टीसीएस	0.12 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	99,500
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,09,412
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5900
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7500-7600
उड़द दाल	9200-9300
मूंग दाल	9500-9600
अरहर दाल	8600-8700

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत : आरबीआई

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। हाल ही में जारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक आर्थिक बुलेटिन के अनुसार मई 2025 के लिए वैश्विक अनिश्चितता के बीच अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर्स भारत में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि की ओर इशारा करते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि ने 2024-25 के दौरान अधिकांश प्रमुख फसलों के उत्पादन में व्यापक आधार पर वृद्धि दर्ज की। घरेलू कीमतों की स्थिति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे रही। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती के ट्रांसमिशन की सुविधा के लिए अनुकूल बनी हुई हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर स्थिति में है, जो व्यापार नीति अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों में वृद्धि के दोहरे झटकों से जूझ रही है। हालांकि, घरेलू मोर्चे पर, मई में जारी अनंतिम अनुमानों ने 2024-25 में भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की पुष्टि की है, जिसमें चौथी तिमाही में महत्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि होगी। मई के लिए अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि के संकेत देते हैं।

- मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे रही
- मई-जून के दौरान इक्विटी बाजारों में मामूली वृद्धि दर्ज

परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के लिए सर्वे किए गए देशों में भारत में गतिविधि में समग्र विस्तार सबसे अधिक रहा, जिसमें मई में देखे गए नए निर्यात ऑर्डर में विस्तार अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में देखे गए कॉन्ट्रैक्शन के बीच एक अपवाद था।

मई के लिए कुल मांग के हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स ने भी ग्रामीण मांग में वृद्धि का सुझाव दिया। कंज्यूमर सेंटीमेंट के दूरदर्शी सर्वेक्षण वर्तमान अवधि के लिए स्थिर उपभोक्ता विश्वास और भविष्य के बारे में बेहतर आशावाद दिखाते हैं।

आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक, व्यापार और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद ये सभी भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दिखाते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू मुद्रास्फीति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे रही। 2024-25 के कृषि सत्र में रिकॉर्ड घरेलू फसल उत्पादन खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति में तेज और निरंतर कमी का संकेत दे रहा है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इकोनॉमिक आउटलुक, टैरिफ संबंधी समाचार और विकसित होते घरेलू परिदृश्य पर वैश्विक संकेतों के कारण उतार-चढ़ाव के बावजूद मई-जून के दौरान इक्विटी बाजारों में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार, अस्थिर और ऊंचे सोने और चांदी की कीमतों के प्रभाव को छोड़कर कुछ नरमी के संकेतों के साथ स्थिर कोर मुद्रास्फीति यह दर्शाती है कि अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबाव शांत बना हुआ है। मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के साथ ही इक्विटी बाजार में कुछ समय के लिए तेज गिरावट दर्ज की गई, लेकिन 20 जून को इसमें शानदार उछाल देखने को मिला।

सीतारमण ने की गिफ्ट सिटी व आईएफएससीए के बाजार सहभागियों के साथ बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुजरात में गिफ्ट सिटी और आईएफएससीए में बाजार सहभागियों के साथ बैठक की। श्रीमती सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में बैंकों, बीमा कंपनियों, वित्त कंपनियों, फंड प्रबंधन, पूंजी बाजार, एजेंट और भुगतान सेवा प्रदाताओं, आईटीएफएस, विमान पट्टे, जहाज पट्टे, बीएटीएफ सेवाओं, टेकफिन कंपनियों और उच्च शिक्षा सहित 20 से अधिक बाजार सहभागियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में वित्त सचिव और आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव, राजस्व सचिव, विशेष कार्य अधिकारी और आर्थिक मामलों के विभाग के नामित सचिव, आईएफएससीए के अधिकारियों तथा गिफ्ट सिटी के अध्यक्ष भी शामिल हुए।

फिनटेक के साथ फास्टैग इकोसिस्टम का विस्तार करने का लक्ष्य : गडकरी

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि फास्टैग इकोसिस्टम में न केवल टोलिंग के लिए, बल्कि पूरे देश में निर्बाध डिजिटल यात्रा अनुभवों के आधार के रूप में अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि फिनटेक और अन्य हितधारकों के साथ सहयोग के माध्यम से हमारा लक्ष्य फास्टैग की उपयोगिता को एक मजबूत मंच में विस्तारित करना है, जो उपयोगकर्ता की सुविधा को बढ़ाएगा, परिवहन और गतिशीलता सेवाओं को सुव्यवस्थित करेगा और इस क्षेत्र में अधिक दक्षता लाएगा। 98.5 प्रतिशत टोल पेमेंट के साथ, नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (एनईटीसी) फास्टैग प्रोग्राम 1,728 टोल प्लाजा (1,113 राष्ट्रीय राजमार्ग, 615 राज्य राजमार्ग) पर संचालित होता है।

इसके अलावा, 38 से अधिक बैंकों ने डिजिटल भुगतान का समर्थन करते हुए 11.04 करोड़ फास्टैग जारी किए हैं। केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह कारों के लिए 3,000 रुपए की कीमत वाले फास्टैग आधारित वार्षिक पास की शुरुआत की घोषणा की, जो इस साल 15 अगस्त से प्रभावी होगा। फास्टैग सिस्टम के इनोवेटिव एप्लीकेशन का पता लगाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा प्रमोटेड कंपनी इंडियन हाईवेज एंड मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में फिनटेक कंपनियों के साथ एक वर्कशॉप आयोजित की गई थी।

पीएलआई योजना में 1.76 लाख करोड़ रुपए का निवेश : गोयल

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएलआई योजना 14 प्रमुख क्षेत्रों में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है। उन्होंने जानकारी दी कि इस योजना में 1.76 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, जिससे मार्च 2025 तक 16.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का उत्पादन/बिक्री और 12 लाख से अधिक (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) रोजगार सृजित हुए हैं।

- मार्च 2025 तक 12 लाख से अधिक रोजगार हुए पैदा

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत को उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिनमें भारत को अन्य देशों के मुकाबले प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल है और विभिन्न हितधारकों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करना चाहिए ताकि देश का निर्यात बढ़ सके।

केंद्रीय मंत्री ने यह विचार उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की समीक्षा बैठक के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यह योजना विनिर्माण क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बेहतरीन पहलों में से एक है।

भारत में बागवानी फसलों का उत्पादन 3.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा जारी दूसरे एडवांस अनुमानों के अनुसार, फलों और सब्जियों के अधिक उत्पादन के कारण भारत में फसल वर्ष 2024-25 (जुलाई-जून) में बागवानी फसलों का उत्पादन 3.66 प्रतिशत बढ़कर 367.72 मिलियन टन (एमटी) होने का अनुमान है। 2023-24 में बागवानी फसलों का उत्पादन 354.74 मिलियन टन रहा। 2024-25 में बागवानी फसलों के अंतर्गत आने वाला रकबा पिछले वर्ष के 290.86 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 292.67 लाख हेक्टेयर हो गया।

- लगभग 320.48 मिलियन टन बागवानी उत्पादन कर रहा भारत
- जीवीए में लगभग 33 प्रतिशत का योगदान दे रहा बागवानी

आंकड़ों से पता चलता है कि 2024-25 में फलों का उत्पादन 1.36 प्रतिशत बढ़कर 1,145.10 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि सब्जियों का उत्पादन 6 प्रतिशत बढ़कर 2,196.74 लाख टन होने का अनुमान है। 2024-25 में मसालों का उत्पादन 123.70 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि पिछले वर्ष यह 124.84 लाख टन था। सब्जियों की श्रेणी में प्याज का उत्पादन 242.67 लाख टन से बढ़कर 307.73 लाख टन होने का अनुमान है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उत्पादन में यह वृद्धि किसानों और कृषि वैज्ञानिकों के प्रयासों के साथ-साथ सरकार द्वारा की गई पहलों के कारण हुई है। भारतीय बागवानी क्षेत्र कृषि ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) में लगभग 33 प्रतिशत का योगदान देता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुत महत्वपूर्ण योगदान देता है। राष्ट्र की पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के अलावा, यह वैकल्पिक ग्रामीण रोजगार के अवसर, कृषि गतिविधियों में विविधता और किसानों को बढ़ी हुई आय प्रदान करता है।

सार संक्षेप

फॉक्सकॉन की भारत में बड़े निवेश की तैयारी

नई दिल्ली। ताइवानी दिग्गज कंपनी होन हाई प्रेसिजन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड (फॉक्सकॉन) को ताइवान की सरकार से भारत और अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर की राशि निवेश करने की मंजूरी मिल गई। फॉक्सकॉन को मंजूरी ऐसे समय पर मिली है, जब वह चीन से बाहर अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का तेजी से विस्तार कर रहा है। भारत सरकार की मेक इन इंडिया और पीएलआई जैसी पहल बड़ी संख्या में विदेशी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को आकर्षित करने में सफल रही हैं और इससे देश में तेजी से मैन्युफैक्चरिंग बढ़ी है और रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं। फॉक्सकॉन को भारत और अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर से अधिक की दो महत्वपूर्ण निवेश योजनाओं के लिए विनियामक अनुमोदन प्राप्त हुआ है।

पल्स कैंडी बनी 750 करोड़ की उपभोक्ता ब्रांड

नई दिल्ली। एफएमसीजी समूहों में से एक धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) की लोकप्रिय पल्स कैंडी वित्त वर्ष 2024-25 में उपभोक्ता मूल्य पर 750 करोड़ रुपए का ब्रांड बन गया। कंपनी ने कहा कि एक साल में 750 करोड़ पल्स कैंडीज़ बिकीं जिससे यह भारत की सबसे ज़्यादा वितरित हार्ड बॉयल्ड कैंडी बन गई है। यह उपलब्धि पिछले 9 वर्षों से पल्स की मज़बूत मार्केट लीडरशिप और उपभोक्ताओं के बीच इसकी स्थायी लोकप्रियता को दर्शाती है। पिछले तीन वित्त वर्षों में पल्स ने 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की है, जोकि पूरे हार्ड बॉयल्ड कैंडी उद्योग में 9 प्रतिशत की तुलना में कहीं अधिक है। इस निरंतर वृद्धि ने ब्रांड की शहरी और ग्रामीण दोनों बाज़ारों में मज़बूत पकड़ को सिद्ध किया है, खासकर ऐसे समय में जब समग्र बाज़ार की स्थितियां उतनी अनुकूल नहीं रहीं। बाज़ार आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में पल्स कैंडी की भारत के हार्ड बॉयल्ड कैंडी बाजार में 19 प्रतिशत बाज़ार हिस्सेदारी है और लगातार बढ़ रही है।

शेयर बाजार नौ महीने के उच्चतम स्तर पर

मुंबई, 26 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ब्याज दरों में अधिक कटौती के लिए फेडरल रिजर्व में संभावित नेतृत्व परिवर्तन करने को लेकर जारी अटकलों से यूरोपीय बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार में तूफानी तेजी रही। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1000.36 अंक अर्थात 1.21 प्रतिशत की छलांग लगाकर करीब नौ महीने के उच्चतम स्तर 83 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 83755.87 अंक पर पहुंच गया। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 304.25 अंक यानी 1.21 प्रतिशत उछलकर 25549 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.56 प्रतिशत मजबूत होकर 46,362.77 अंक और स्मॉलकैप 0.12 प्रतिशत बढ़कर 53,960.57 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4153 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2097 में लिवाली जबकि 1900 में बिकवाली हुई वहीं 156 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2975 कंपनियों के शेयरों में से 1474 में तेजी जबकि 1397 में गिरावट रही वहीं 104 में टिकाव रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, गुरुवार को डॉलर तीन साल के निचले स्तर पर आ गया जबकि वैश्विक शेयर बाजारों ने बीते तीन दिनों में दूसरी बार नया रिकॉर्ड उच्च स्तर हासिल किया। इसकी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व में संभावित नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलें बताई जा रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति श्री ट्रम्प फेडरल रिजर्व के मौजूदा अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की जगह जल्द ही नया चेहरा नियुक्त करने पर विचार कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि श्री ट्रम्प फेड से ब्याज दरों में तेजी से कटौती करने की मांग कर रहे हैं और इसी दिशा में अगले कुछ महीनों में पॉवेल का विकल्प चुनने की योजना बना रहे हैं। इस

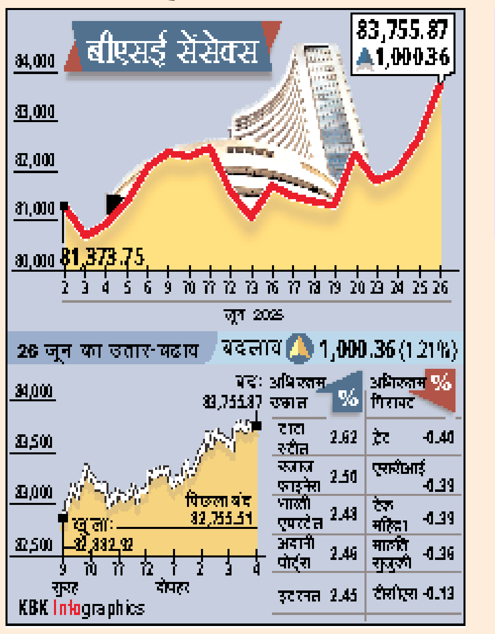

- सेंसेक्स 1.21 प्रतिशत की छलांग लगाकर 83755.87 अंक पर
- निफ्टी 1.21 प्रतिशत उछलकर 25549 अंक पर बंद

अटकल के बाद निवेशकों ने अमेरिकी ब्याज दरों में संभावित कटौती पर दांव लगाना शुरू कर दिया, जिससे डॉलर में भारी बिकवाली देखी गई। वहीं, वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी का रुख बना रहा और बाजार नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए। इससे बीएसई में फोकस्ड आईटी, आईटी और रियल्टी में 1.04 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर अन्य 18 समूहों में तेजी रही।

अंतरराष्ट्रीय स्तर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.26, जर्मनी का डैक्स 0.84 और जापान का निक्केई 1.65 प्रतिशत उछल गया। हालांकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.61 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.22 प्रतिशत उतर गया।

इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में टाटा स्टील 2.62, बजाज फाइनेंस 2.50, भारती एयरटेल 2.48, अदानी पोर्ट्स 2.46, इटरनल 2.45, एचडीएफसी बैंक 2.16, बजाज फिनसर्व 2.09, एनटीपीसी 1.92, रिलायंस 1.90, अल्ट्रासिम्को 1.80, एक्सिस बैंक 1.78, टाटा मोटर्स 1.28, एलटी 1.17, टाइटन 1.14, बीईएल 1.06 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, ट्रेंट 0.40, एसबीआई 0.39, टेक महिंद्रा 0.39, मारुति 0.36, टीसीएस 0.12, सन फार्मा 0.07 और इंफ़ोसिस के शेयर 0.03 प्रतिशत नुकसान में रहे।

एयरटेल ने 10.6 करोड़ ग्राहकों को साइबर धोखाधड़ी से बचाया

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने बढ़ती ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ अपने मिशन के तहत मात्र 43 दिनों में ही पूरे देश में 1.88 लाख से ज़्यादा खतरनाक लिंक को ब्लॉक किया गया है और 10.6 करोड़ से अधिक ग्राहकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से सुरक्षित किया है।

कंपनी ने कहा कि देशभर में एआई-आधारित फ्रॉड डिटेक्शन सिस्टम के लॉन्च के तहत यह अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली सभी एयरटेल मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहकों के लिए ऑटोमैटिक रूप से एक्टिवेट होती है। यह एसएमएस, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ईमेल और अन्य ब्राउज़रों पर भेजे गए लिंक को स्कैन और फ़िल्टर करती है। यह तकनीक रियल टाइम थ्रेट इंटेलिजेंस (साइबर ख़तरों की तात्कालिक जानकारी) का इस्तेमाल करती है और रोज़ाना एक अरब से ज़्यादा यूआरएल का विश्लेषण करती है। किसी भी खतरनाक साइट पर पहुंचने से पहले यह सिस्टम महज 100 मिलीसेकंड में उसे ब्लॉक कर देता है।

दिल्ली एनसीआर में 43 दिनों के भीतर 35 लाख से अधिक यूज़रों को सफलतापूर्वक ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाया गया है। दिल्ली-एनसीआर को देश के सबसे अधिक डिजिटल रूप से विकसित राज्यों में गिना जाता है, लेकिन इसके साथ ही यहां ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाएं भी तेज़ी से बढ़ रही हैं।

तेलों में टिकाव, गेहूं महंगा, गुड़ और मूंग दाल सस्ती व अन्य जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि गेहूं महंगा हो गया वहीं गुड़ और मूंग दाल के भाव गिर गए।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा ×6 रिंगिट बढ़कर ×975 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.20 सेंट की गिरावट के साथ 51.62 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में मिलाजुले रुख रहा। इस दौरान गुड़ 50 रुपए प्रति क्विंटल गिर गया जबकि चीनी के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मूंग दाल में 150 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी का रुझान मिश्रित रहा। इस दौरान गेहूं 50 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 5600-5700, दाल चना 6600-6700, मसूर काली 7900-8000, मूंग दाल 9×00-9400, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 8400-8500 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

प्रथम पेज का शेष

भारत ने साझा बयान पर.... जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समझना होगा कि अब आतंकवाद के एपिसेंटर सेफ नहीं हैं। एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए।'

इधर, दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की दो दिन चली बैठक में सभी देश एक साथ मिलकर साझा बयान पर सहमत नहीं हो सके, इसलिए उस दस्तावेज को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत चाहता था कि इस बयान में आतंकवाद और उससे जुड़ी चिंताओं को साफ तौर पर शामिल किया जाए, लेकिन एक खास देश को यह बात मंजूर नहीं थी। भारत के रक्षा मंत्री ने अपने भाषण में सभी 11 देशों से आतंकवाद के हर रूप और तरीके के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की अपील की। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि जो लोग आतंकवाद फैलाते हैं, चाहे वे सीमा पार से हमला कराएं, पैसा दें, समर्थन करें या उसका आयोजन करें, उन्हें सजा मिलनी चाहिए और कानून के सामने लाया जाना चाहिए।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना 2001 में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने मिलकर की थी। बाद में भारत और पाकिस्तान 2017 में इसके सदस्य बने और 2023 में ईरान भी सदस्य बन गया। इसका उद्देश्य सदस्य देशों के बीच सुरक्षा, आर्थिक और राजनीतिक सहयोग को बढ़ाना है। संगठन आतंकवाद, उग्रवाद, ड्रग तस्करी और साइबर अपराध जैसे मुद्दों पर साझा रणनीति बनाता है।

महाराष्ट्र, हरियाणा की मतदाता.... कांग्रेस ने आयोग को लेटर लिखा है। पत्र में कहा गया है कि कांग्रेस यह मांग लगातार कर रही है और उसकी मांग के अनुरूप वोटर लिस्ट तथा वीडियो फुटेज उपलब्ध कराना आयोग के लिए कठिन काम नहीं है। पार्टी का कहना है कि इससे न सिर्फ राजनीतिक दलों का विश्वास बढ़ेगा, बल्कि जनता में भी चुनावी प्रक्रिया को लेकर भरोसा कायम रहेगा।

पार्टी ने यह भी कहा है कि आयोग इन मांगों पर विचार करता है तो कांग्रेस नेतृत्व आयोग के साथ बैठक कर अपनी तरफ से किए गए विश्लेषण और सबूत आयोग के सामने रखेगा ताकि पूरी प्रक्रिया पर खुली चर्चा हो सके। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में पार्टी की तरफ से लिखे गएपत्र के साथ आयोग से आग्रह करते हुए कहा हम आपसे अनुरोध करते हैं कि हमें महाराष्ट्र की मतदाता सूचियों की मशीन-पठनीय, डिजिटल प्रति और महाराष्ट्र और हरियाणा के मतदान दिवस की वीडियो फुटेज इस पत्र की तिथि से एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तरफ से यह लंबे समय से किया जा रहा अनुरोध है जिसका अनुपालन करना चुनाव आयोग के लिए आसान होना चाहिए।

70 साल से अधिक के लोकतंत्र.... वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवान दास सबनानी, विधायक अजय विश्नोई, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघ चालक अशोक पांडे, लोकतंत्र सेनानी संघ के संरक्षक मेघराज जैन सहित बड़ी संख्या में प्रदेश भर से आए लोकतंत्र सेनानी और उनके परिजन एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन लोकतंत्र सेनानी एवं जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी सुरेंद्र द्विवेदी ने किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत एवं अन्य अतिथियों ने मीसा पत्रिका और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आपातकाल के दौरान लिखे गए पत्रों, विचारों, आलेखों से जुड़े संस्मरणों पर आधारित एक इमरजेंसी डायरी का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्नाटक के राज्यपाल श्री गहलोत, हरियाणा के पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी के अध्यक्ष अशोक कड़ेल को लोकतंत्र सेनानी होने के सम्मान स्वरूप ताम्रपत्र देकर सम्मानित किया गया।

आईएसएस पहुंचने वाले पहले.... कैप्टन शुभांशु यह अनुभव भारत के गगनयान मिशन में काम आएगा। इसके वर्ष 2027 में लॉन्च होने की संभावना है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष में शोध करना और नई तकनीक का परीक्षण करना है। एक्सिओम मिशन -4 एक निजी उड़ान मिशन है। अमेरिका की प्राइवेट स्पेस कंपनी एक्सिओम स्पेस और नासा के सहयोग से इसे अंजाम दिया गया है। एक्सिओम स्पेस का यह चौथा मिशन है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।